साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 235 | जौनपुर, बुधवार, 22 मई 2024 | साान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

शिवपाल सिंह यादव के भाषण के दौरान मंच टूटा

अंबेडकरनगर, संवाददाता। अंबेडकरनगर जिले के जलालपुर नगर में सभा को संबोधित करने पहुंचे सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव उस समय हादसे का शिकार होने से बच गए जब उनके संबोधन के दौरान ही मंच टूट गया। वे जलालपुर नगर के रामलीला मैदान में सपा प्रत्याशी लालजी वर्मा के समर्थन में जनसभा को संबोधित करने पहुंचे थे।

मंच पर भीड़ अधिक होने के कारण उनके संबोधन के दौरान ही मंच एक तरफ का टूट गया। इससे शिवपाल को कुछ देर भाषण रोकना पड़ा। हालांकि, इसके बाद उन्होंने अपना संबोधन पूरा किया।

सपा नेता ने यहां भाजपा सरकार पर वायदा खिलाफी का आरोप लगाया। कहा कि युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। पात्रों को उनका हक नहीं मिल पा रहा है। पेपर लीक का भी मुद्दा उठाया। कहा कि भाजपा मुद्दों की राजनीति नहीं कर रही।

मनीष सिसौदिया की न्यायिक हिरासत बढ़ाई गई

नई दिल्ली, एजेंसी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया की अवधि 31 मई तक बढ़ा दी है। दिल्ली उच्च न्यायालय मंगलवार को अब समाप्त हो चुकी उत्पाद शुल्क नीति से संबंधित भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में सिसौदिया की जमानत याचिकाओं पर आदेश पर सुनवाई करने वाला है। दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में सिसोदिया को एक साल से अधिक समय पहले गिरफ्तार किया गया था, प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि वह कथित मनी लॉन्ड्रिंग के संबंध में अपनी अगली अभियोजन शिकायत में आम आदमी पार्टी को मामले में आरोपी बनाएगा। इस बीच, दिल्ली उच्च न्यायालय केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनके खिलाफ दर्ज किए गए मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार के मामलों में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर आदेश देने वाला है। 14 मई को उच्च न्यायालय ने सिसौदिया, सीबीआई और ईडी की ओर से दलीलें सुनने के बाद जमानत याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। इस सुनवाई के दौरान, ईडी ने कहा कि वह कथित दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से जुड़े पीएमएलए मामले में अगली चार्जशीट में आम आदमी पार्टी को आरोपी बनाएगी। अपने मुवक्किल के लिए जमानत की मांग करते हुए, सिसौदिया के वकील ने अदालत से कहा कि जांच एजेंसियां घ्घ्अभी भी मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार के मामलों में लोगों को गिरफ्तार कर रही हैं और जल्द निष्कर्ष का कोई सवाल ही नहीं है। अमित शाह के हालिया संबोधन के जवाब में दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि आपने लोगों को गाली देना शुरू कर दिया है।

जनता कह रही, जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे - योगी आदित्यनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को दिल्ली में चुनाव प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने राम मंदिर निर्माण का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जनता कह रही है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे। उन्होंने दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन पर कहा कि यह गठबंधन भ्रष्टाचार का, पाकिस्तानियों का राग अलापने वाला गठबंधन है। भारत की आस्था और विरासत के साथ खिलवाड़ करने वाला गठबंधन है, जिसका उदाहरण आपने देखा होगा कि किस प्रकार से सीएए को लेकर कुप्रचार किया गया और लोगों से शाहीनबाग में षड्यंत्र के तहत उग्र दंगा कराया था। योगी ने पूर्वी दिल्ली संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी हर्ष मल्होत्रा के समर्थन में मयूर विहार में एक जनसभा को संबोधित किया। यहां उन्होंने कहा कि आज सिर्फ दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरे देश में आम जनता पहले से ही आश्ध्वस्त है कि मोदी सरकार फिर आएगी। एक ही स्वर सुनाई दे रहा है कि फिर एक बार मोदी सरकार। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि जब 400 पार की बात आती है तो आम आदमी पार्टी और कांग्रेस जैसी पार्टियों के गठबंधन को चक्कर आने लगता है, क्योंकि दोनों पार्टियां मिलकर भी 400 सीटों पर चुनाव नहीं लड़ पा रही है। योगी ने कहा, आज आम जनता कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को जवाब दे रही है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे। 500 वर्षों बाद प्रभु श्रीराम अयोध्या में तम्बू से अपने वैभवशाली महल रूपी मंदिर में विराजमान हो

चुके हैं। उन्होंने होली भी खेली और अपना जन्मदिन भी मनाया, लेकिन इंडी गठबंधन के घटकों को इससे बहुत पीड़ा है, क्योंकि वह राम मंदिर के निर्माण के पक्ष में नहीं थे। ये पहले दिन से राम मंदिर निर्माण के खिलाफ थे और आज भी कांग्रेस के लोग वहां दर्शन करने नहीं जाते। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जिस सांस्कृति और विकास की राजनीतिक विरासत को लेकर आगे बढ़ी थी, उसका परिणाम सबके सामने है। हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 10 वर्षों को देखा है। श्एक भारत श्रेष्ठ भारतश् के रूप में देश उभरा है। आतंकवाद और नक्सलवाद के समस्या का समाधान हुआ है। आज कहीं पटाखा भी फट जाए तो पहले पाकिस्तान इस पर सफाई देता है। यही नया भारत है और यही कारण है कि भारत की ओर कोई भी दुश्मन नहीं देखता है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि विकास के नए–नए कार्य हो रहे हैं, नए रेल के संस्करण, रैपिड रेल जो दिल्ली से मेरठ तक चली है, यह सिर्फ मोदी सरकार के प्रयासों का परिणाम है। यह नया भारत अपने युवाओं के लिए आईआईटी और आईआईएम देता है, शुद्ध जल घर–घर भेजने की योजना है और यह नया भारत विकास पर ध्यान दे रहा तो यह भारत गरीब कल्याण के नए कीर्तिमान स्थापित करता है।

योगी ने कहा कि कोविड के दौरान आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली के अंदर कामगार, श्रमिकों और प्रवासियों को माइक पर चिल्लाकर, धमकाकर दिल्ली से बाहर निकाला था। इनके पानी के कनेक्शन काट रही थी। उस वक्त मोदी सरकार ने इन मजदूरों और श्रमिकों को उनके घर तक पहुंचाने का काम किया और 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन की सुविधा आज भी उपलब्ध करा रही है।

उन्होंने कहा कि एक तरफ भारत अपने 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दे रहा है और दूसरी तरफ पाकिस्तान में 23 करोड़ लोग भूखे तड़प रहे हैं। जो लोग स्वतंत्र भारत में रहकर पाकिस्तान का राग अलाप रहे हैं, उन्हें इस देश में रहने का कोई हक नहीं है। वे खुद ही पाकिस्तान चले जाएं। 60 करोड़ लोग 5 लाख रुपये के स्वास्थ्य बीमा का लाभ उठा रहे हैं। 12 करोड़ किसानों के लिए किसान सम्मान निधि, 12 करोड़ गांव में शौचालय का निर्माण, 4 करोड़ गरीबों के मकान बने और मोदी ने घोषणा की है कि इस बार सरकार में आते ही अगले पांच वर्षों में सभी गरीबों का अपना मकान होगा।

पांच चरणों के मतदान में बीजेपी ने पार किया 310 सीटों का आंकड़ा – अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। गृह मंत्री अमित शाह ने ओडिशा में चुनावी प्रचार के दौरान दावा किया कि भाजपा ने चुनाव के पांच चरणों के मतदान में 310 सीटों का आंकड़ा पार कर लिया है। उन्होंने कहा कि पूरे देश भर में 5 चरण के चुनाव समाप्त हो चुके हैं। इन 5 चरणों में मोदी जी 310 पार कर गए हैं, अब छठे और सातवें चरण में आपको मोदी जी को 400 पार कराना है। उन्होंने कहा कि इस बार ओडिशा में हर जगह कमल खिलेगा। चुनाव के पांच चरण खत्म हो चुके हैं और मोदी जी 310 पार कर चुके हैं! अब छठा और सातवां चरण सुनिश्चित करेगा 400 पार! शाह ने कहा कि देश भर के मतदाताओं के लिए सिर्फ 400 पार का लक्ष्य है। मगर मेरे ओडिया भाइयों को इसके साथ–साथ विधानसभा में भी 75 से ज्यादा सीटों पर कमल खिलाना है। उन्होंने कहा कि ये चुनाव देश को समृद्ध, सुरक्षित और मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है। वहीं दूसरी ओर ओडिशा को समृद्ध करने और ओडिया भाषा, साहित्य, कला और संस्कृति के सम्मान को फिर से प्रस्थापित करने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने हमेशा ओडिया भाषा और संस्कृति का गौरव बढ़ाने का काम किया है। मोदी जी ने हमारे ओडिशा के गरीब और आदिवासी के घर की बेटी द्रौपदी मुर्मू जी को राष्ट्रपति बनाकर समग्र ओडिशा का सम्मान करने का काम किया है। अमित शाह ने कहा कि हम ऐसा ओडिशा बनाना चाहते हैं, जिसमें किसी युवा को अपना परिवार छोड़कर किसी अन्य राज्य में मजदूरी करने न जाना पड़े। उसे अपने प्रदेश में ही काम मिल जाए।

संविधान को बचाने के लिए भाजपा को हराना है – अखिलेश

सिद्धार्थनगर, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि बाबा साहब डा भीमराव अंबेडकर के संविधान को बचाने के लिए सभी लोगों को मिल कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराना होगा। बस्ती के राजकीय इंटर कॉलेज परिसर में गठबंधन प्रत्याशी राम प्रसाद चौधरी के पक्ष में आयोजित चुनावी जनसभा को सम्बोधित करते हुए श्री यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन को पूरे देश में अपार जनसमर्थन मिल रहा है। ये चुनाव संविधान बचाने का है। संविधान बचाने के लिए हर वर्ग के लोग इण्डिया गठबन्धन से जुड़ रहे है। भाजपा हताश और निराश हो गयी है, इसलिए विभिन्न प्रकार के जुमलेबाजी कर रही है। उत्तर प्रदेश में भाजपा सभी सीटें हारने जा रही है। भाजपा हटेगी तभी संविधान बचेगा और देश तथा प्रदेश के लोगों को रोजगार मिल पायेगा। उन्होंने

कहा कि भाजपा ने जान–बूझकर पेपर को इसलिए लीक करा दिया जिससे यहां के नौजवान बेरोजगार रहे लेकिन अब यहां के नौजवान पेपर लीक कराने वाले लोगों को लीक करने जा रहे है। इण्डिया गठबन्धन ने तय किया है कि गरीब परिवार की महिलाओं को हम एक लाख रूपये प्रतिवर्ष उनके खाते में भेजेंगे जिस तरीके से भाजपा ने शिक्षामित्रों, नौजवानों, बेरोजगारों के ऊपर अन्याय किये है इनके लिए इण्डिया गठबन्धन अलग से बजट बनाकर इनके लिए बेहतर कार्य करेंगी और शिक्षामित्रों को शिक्षक भी बनायेगी।

चुनाव जीतने पर बैठकर पीएम के नाम पर फैसला करेंगे – खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मौजूदा लोकसभा चुनाव में इंडिया ब्लॉक के बहुमत हासिल करने की स्थिति में प्रधानमंत्री तय करने की व्यवस्था के सवाल पर एक बयान दिया। खरगे ने चंडीगढ़ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कहा कि अगर इंडिया ब्लॉक चुनाव जीतता है, तो उसके साथी बैठेंगे और पीएम के नाम पर फैसला करेंगे। विपक्षी गुट की जीत की स्थिति में प्रधान मंत्री को चुनने की व्यवस्था न केवल राजनेताओं बल्कि आम जनता के बीच सबसे अधिक चर्चित प्रश्न बनी हुई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा. खड़गे ने कहा कि पीएम मोदी झूठ फैलाते हैं कि कांग्रेस जातीय जनगणना कराएगी और लोगों के गहने, जमीन और भैंसें छीन लेगी। कांग्रेस प्रमुख ने पूछा कि हमने इतने सालों तक शासन किया, क्या हमने कभी किसी का मंगलसूत्र छीना? उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी समझ गए हैं कि इस बार बीजेपी सरकार नहीं बनाने वाली है, इसलिए वह झूठ बोल रहे हैं। आप इंडिया को भारी बहुमत दें। इस बार एकजुट होइये और देश में शांति, समृद्धि और एकता लाइये। कांग्रेस अध्यक्ष ने पार्टी घोषणा पत्र के जरिए किए गए वादों को दोहराते हुए कहा कि हम 5 न्याय और 25 गारंटी को पूरा करेंगे. उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हर गरीब परिवार की एक महिला को सालाना 1 लाख रुपये, 30 लाख सरकारी नौकरियां, मनरेगा के तहत 400 रुपये की दैनिक मजदूरी, 10 किलो अनाज मुफ्त देगी।

उत्तर प्रदेश की जनता भाजपा का सफाया कर रही है - अरविंद सिंह गोप

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप ने पूर्व मंत्री शैलेंद्र यादव ललई के नगर के मियांपुर स्थित आवास पर बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि जनता परिवर्तन के लिए और भाजपा को हटाने के लिए वोट दे रही है। उत्तर प्रदेश की जनता भाजपा का सफाया कर रही है। अभी तक चुनाव को लेकर जो रिपोर्ट आ रही है उसमें भाजपा सारी सीटें हार रही है। इंडिया गठबंधन सब सीटें जीत रहा है।

कहा कि भाजपा के नेता भी हार मान चुके हैं। इनके भाषणों में वही पुरानी घिसीपिटी कहानी है। जनता भाजपा नेताओं के घिसेपिटे डायलॉग अब नहीं सुनना चाहती है। समाजवादी पार्टी पीडीए इंडिया गठबंधन परिवार भाजपा के एनडीए को हरा रहा है। भाजपा नेताओं की हर बात झूठी है। इनके हर वादे झूठे है।

भाजपा ने दस साल झूठ बोला और लूट की। आज झूठ और लूट भाजपा की पहचान बन चुकी है। भाजपा ने बहुत भ्रष्टाचार किया। चौतरफा लूट और वसूली की। इलेक्टोरल बांड के नाम पर वसूली की।

कहा कि वैक्सीन बनाने वाली कम्पनी से भी वसूली कर ली गई। चंदा लेकर वैक्सीन लगवा दिया। कर्मचारियों को जबरदस्ती लगवा दी। वैक्सीन को लेकर गंभीर रिपोर्ट आयी है। इससे बीमारियां हो रही है। वैक्सीन कम्पनी वाले वैक्सीन वापस ले रहे हैं लेकिन जो वैक्सीन शरीर में चली गयी वो कैसे वापस आयेगी। जबसे वैक्सीन से खतरा हुआ है तभी से प्रधानमंत्री ने वेबसाइट से अपनी फोटो हटवा दी जौनपुर में मै दोनों लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न कार्यक्रम से आ रहा हूं यहां का माहौल तो एकतरफा समाजवादी पार्टी के दोनों सीटें जीतने जा रहा है इस अवसर पर पूर्व मंत्री शैलेंद्र यादव ललई राहुल त्रिपाठी श्याम बहादुर पाल सुशील श्रीवास्तव राकेश यादव मौजूद रहे।

लू व तेज धूप के चलते भारी संख्या में जिला चिकित्सालय आ रहे मरीज

अयोध्या। लू और तेज धूप से लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है।जिसके चलते लोग डायरिया सहित तेज बुखार से पीड़ित रोगी जिला चिकित्सालय व अन्य निजी चिकित्सालयों की तरफ आते हुए दिखाई दे रहे थे।

बुधवार को जिला चिकित्सालय में इलाज कराने आने वाले लोगों की भारी संख्या में भीड़ दिखाई दे रही थी।जिसमें अधिकतर रोगी डायरिया व तेज बुखार से पीड़ित दिखाई दिये।जिला चिकित्सालय में इलाज कराने आने वाले रोगियों की संख्या इतनी अधिक दिखाई दे रही थीं कि वहां पर पैर रखने की जगह तक नहीं दिखाई दे रही थी।वहां पर मौजूद रोगियों में सबसे अधिक संख्या छोटे छोटे बच्चों व बुजुर्गों की रही।

जनता कर रही है इंसाफ, इस बार बीजेपी होगी साफ – तेजस्वी

बिहार, एजेसी। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुली चुनौती देते हुए कहा कि अगर उन्होंने 10 साल में मुझसे ज्यादा नौकरियां दे दीं तो हम राजनीति से संन्यास ले लेंगे। मोदी पर अपना हमला जारी रकते हुए उन्होंने कहा कि वह महंगाई, बेरोजगारी और गरीबी पर नहीं बोलते। प्रधानमंत्री बिहार सिर्फ अपने लिए आते हैं, बिहार के लिए नहीं। बिहार ने उन्हें 2014 में 31 सांसद और 2019 में 39 सांसद दिए, लेकिन क्या बिहार के लोगों को उनका अधिकार मिला? वह हर चुनाव में बिहार आते हैं लेकिन चुनाव के बाद बिहार को भूल जाते हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि जनता कर रही है इंसाफ, बीजेपी साफ। क्या उन्होंने (पीएम मोदी) बताया कि उन्होंने बिहार के लिए क्या किया है या भविष्य में क्या करने जा रहे हैं? मैंने उनसे 7 सवाल पूछे, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। छपरा में हुई गोलीबारी की घटना पर तेजस्वी यादव ने कहा कि दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है और बाकी दो लोग फरार हैं। मुझे आश्वासन दिया गया है कि उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। कुछ लोग खोने के डर से ऐसा काम कर बैठते हैं। चुनाव के दौरान ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए। इससे पहले तेजस्वी ने दावा किया था कि उन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ लड़ाई में ''चाचा'' और उसकेसहयोगी जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष नीतीश कुमार से ''पूर्ण समर्थन'' मिल रहा है। राजद नेता जिन्होंने कुमार के इंडिया गठबंधन से अचानक बाहर निकलने के परिणामस्वरूप बिहार के उपमुख्यमंत्री के रूप में अपना पद खो दिया था। तेजस्वी ने कहा, ''चाचा को भाजपा ने अपहरण कर लिया होगा। लेकिन उन्होंने मुझे उन लोगों को सत्ता से बाहर करने को लेकर मार्गदर्शन किया था।

मायावती के साथ उनका वोट बैंक बरकरार, जाटवों के लिए पहली पसंद बनी हुई है बसपा

लखनऊ, संवाददाता। पार्टी के वोट शेयर और सीटों में गिरावट के साथ, बसपा और मायावती को

लोकसभा चुनावों में हार के रूप में देखा जा सकता है। हालाँकि, 25 मई को छठे चरण में मतदान करने वाले पूर्वी उत्तर प्रदेश के इन हिस्सों में अपने जाटव समुदाय के बीच, मायावती ने अपनी पकड़ नहीं खोई है। यही कारण है कि उनके समर्थक आज भी कह रहे हैं कि हमारे समाज का सारा वोट हाथी को ही जाएगा, चाहे वो लड़ाई में हो या नहीं। हालांकि, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का चुनावी अभियान इस बार मायावती के वोटबैंक को साधने पर केंद्रित दिखाई दे रहा है जो मुख्य रूप से दलित और गैर यादव ओबीसी हैं। मायावती द्वारा इंडिया ब्लॉक में शामिल होने से इनकार करने के साथ, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने बसपा पर भाजपा की बी–टीम होने का भी आरोप लगाया। लखनऊ में एक बसपा नेता का कहना है कि भाजपा ने भले ही दलितों में से धोबी, खटिक और सोनकर जैसी कुछ उपजातियों को अपने साथ ले लिया है, लेकिन बसपा अपने जाटव वोट शेयर पर कायम है। नेता कहते हैं, हो सकता है कि हम इस बार लड़ाई में न हों, लेकिन हमारा वोट शेयर 2022 के विधानसभा चुनावों के करीब रहेगा। पार्टी के कमजोर अभियान के बारे में नेता कहते हैं, हमारी तैयारी 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए है।

प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प है, 2047 तक भारत होगा विकसित देश – हरदीप सिंह पुरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आईएएनएस से खास बातचीत की है। उन्होंने कई मुद्दों पर बड़ी ही बेबाकी से अपनी राय रखी। इस दौरान वह कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर हमलावर भी नजर आए। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का विकसित भारत का संकल्प है, 2047 तक भारत एक विकसित देश होगा। भारत की अर्थव्यवस्था बेहतर होगी। भारत सिर्फ दुनिया की सबसे बड़ी डेमोक्रेसी ही नहीं है, बल्कि मदर ऑफ डेमोक्रेसी भी है। हमने विशेष संपर्क अभियान इसके तहत ये दूसरा कार्यक्रम किया है। उन्होंने बताया कि विशेष संपर्क अभियान में कई प्रॉमिनेंट लीडर्स शामिल हुए हैं। इन लोगों ने बड़ा नाम कमाया है। फैशन वर्ल्ड में

जेजे वालिया, एंटरटेनमेंट में सिंगर दलेर मेहंदी, एजुकेशन की फील्ड में बड़ा नाम कमाने वाली श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स की प्रिंसिपल डॉ. समरित कौर, माता सुंदरी कॉलेज की प्रिंसिपल है डॉक्टर हरप्रीत और बड़े–बड़े उद्योगपति भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि फौरन और सिक्योरिटी एस्टैब्लिशमेंट जुडिशरी से कई फॉर्मर जज, 3 हेड्स ऑफ सर्विस मौजूद रहे हैं। इनवमें चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल जे.जे. सिंह, चीफ ऑफ नेवल स्टाफ रॉबिन धवन, चीफ ऑफ एयरफोर्स मार्शल आरकेएस बोडोरिया समेत कई जनरल और एडमिन ऑफिसर मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान इन लोगों ने अपना विजन शेयर किया। उन्होंने बताया कि यह हमारा दूसरा कार्यक्रम है, इससे पहले भी हम एक कार्यक्रम कर चुके हैं और एक कार्यक्रम अभी और करने वाले हैं। मेरे दोनों प्रोग्राम में मेरे मित्र और साथी राजीव चंद्रशेखर हैं। अगले प्रोग्राम में भी उनके साथ को–होस्ट करूंगा।

संपादकीय

एक महत्वपूर्ण संपत्ति के रूप में

सौनक घोष, अब्दुल रहमान, डॉ करमाला अरीश कुमार द्वारा टॉवर 22 तन्फ के पास विशाल रेगिस्तानी परिदृश्य में एक मूक प्रहरी के रूप में खड़ा है, जो अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा को मजबूत करने और अस्थिर मध्य पूर्व क्षेत्र में खतरों का मुकाबला करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। टॉवर 22, जिसमें एक छोटा अमेरिकी लॉजिस्टिक्स स्टेशन है, इराक और सीरिया की सीमा के पास, पूर्वोत्तर जॉर्डन में स्थित है। यह विसैन्यीकृत रुक्बन क्षेत्र के भी करीब है जो सीरिया और जॉर्डन को अलग करता है और इराकी सीमा से बमुश्किल दस किलोमीटर दूर है। मूल रूप से, यह स्थापना जॉर्डनियों द्वारा संचालित एक सीमा अवलोकन पोस्ट थी। अवलोकन स्टेशन को रणनीतिक रूप से स्थापित किया गया है और यह स्थिति की वास्तविक समय पर चेतावनी प्रदान करता है, जिससे शत्रुतापूर्ण गतिविधि और संभावित खतरों का शीघ्र पता लगाया जा सकता है। अमेरिकी कर्मियों की सुरक्षा में अपनी भूमिका से परे, टॉवर 22 ईरान समर्थित आतंकवादियों का मुकाबला करने और क्षेत्र में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के अवशेषों से निपटने में एक महत्वपूर्ण संपत्ति के रूप में कार्य करता है। इस बेस का उपयोग मुख्य रूप से जॉर्डन की सेनाओं के लिए सलाह और सहायता की भूमिका निभाने वाले सैनिकों द्वारा किया जाता है। जॉर्डन आधिकारिक तौर पर मामूली स्थापना की पहचान नहीं करता है, जो अमेरिकी इंजीनियरिंग, विमानन, रसद और सुरक्षा बलों से बना है। अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन के अनुसार, आईएसआईएस की दीर्घकालिक हार की दिशा में काम करने के लिए सेना को वहां तैनात किया गया था। हालिया हमला 28 जनवरी, 2024 की रात के दौरान, एक आत्मघाती ड्रोन उड़ा और टॉवर 22 से टकराया। हमले के समय, अमेरिकी सैन्य सैनिक अस्थायी रहने की जगह के रूप में एक तंबू में सो रहे थे। चौकी के आवास पर एकतरफा हमले वाले ड्रोन ने हमला किया, जिससे मामूली चोट से लेकर मस्तिष्क आघात तक के घाव हो गए। विस्फोट में जॉर्जिया की 718वीं इंजीनियर कंपनी के तीन अमेरिकी सेना रिजर्विस्ट मारे गए और लगभग 40 अन्य घायल हो गए। आठ लोगों को इलाज के लिए विदेश स्थानांतरित किया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने इस हमले के लिए सीरिया और इराक में सक्रिय ईरान समर्थित आतंकवादियों को जिम्मेदार ठहराया है, जो अक्टूबर में इजरायल–हमास संघर्ष की शुरुआत के बाद से अमेरिकी कर्मियों के खिलाफ पहला घातक हमला है। टॉवर 22 ड्रोन हमले के बाद, मौजूदा रक्षा तंत्र की प्रभावकारिता और विरोधियों की रणनीति की अनुकूलनशीलता के बारे में सवाल उठ रहे हैं। सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के ठोस प्रयासों के बावजूद, अमेरिकी बलों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने वालों के लिए ड्रोन और मिसाइलें सुलभ और अपेक्षाकृत सस्ते उपकरण बने हुए हैं। हमले की निर्लज्ज प्रकृति, बड़े पैमाने पर हताहत होने की संभावना के साथ, आधुनिक युद्ध की असममित प्रकृति की डरावनी याद दिलाती है। टॉवर 22 ईरान समर्थित आतंकवादियों का मुकाबला करने और इस्लामिक स्टेट के अवशेषों से निपटने में एक महत्वपूर्ण संपत्ति के रूप में कार्य करता है टावर 22 पर ड्रोन हमला संघर्ष क्षेत्रों में अमेरिकी सैन्य कर्मियों के सामने लगातार बढ़ते खतरों की याद दिलाता है। अक्टूबर 2023 में, विस्फोटक ले जाने वाले ड्रोन द्वारा बेस की सुरक्षा में सेंध लगाने से रैंकों में हड़कंप मच गया, जिससे उन कमजोरियों को उजागर किया गया जिनका विरोधी फायदा उठाने के लिए उत्सुक हैं। जबकि विस्फोटक विस्फोट करने में विफल रहे, यह तथ्य कि ड्रोन बेस में गहराई से घुसने और रहने वाले क्वार्टरों पर हमला करने में सक्षम था, बेस की वायु सुरक्षा में अंतराल का एक गंभीर संकेत है। यह घटना भविष्य के हमलों को कम करने के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल के व्यापक पुनर्मूल्यांकन और उन्नत जवाबी उपायों की तैनाती की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करती है। वैश्विक प्रतिक्रिया ––प्द वाशिंगटन पोस्ट––ै में प्रकाशित प्रारंभिक सैन्य अध्ययन के अनुसार, ड्रोन संभवतः बेस के पुराने रडार उपकरणों के लिए बहुत नीचे उड़ रहा था। फिर भी, ड्रोन की कभी पहचान नहीं हो पाई। हमले से ठीक एक हफ्ते पहले, सेना ने 1960 के दशक के परिवहन योग्य, जमीन–आधारित रडार सरणी जिसे टीपीएस –75 के नाम से जाना जाता है, के प्रतिस्थापन को विकसित करने के लिए 84 मिलियन डॉलर के सौदे का खुलासा किया। ईरान के साथ तनाव को नियंत्रित करने की रणनीतिक योजना को ध्यान में रखते हुए, टॉवर 22 हमले पर अमेरिकी प्रतिक्रिया विशेष रूप से संयमित और मापी गई थी। अमेरिकी हमलों की प्रतिबंधित प्रकृति ने सीरिया और इराक में आतंकवादियों को अमेरिकी सैनिकों और उन देशों में हितों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने से रोक दिया। इस सतर्क दृष्टिकोण ने प्रत्यक्ष संघर्ष को रोकने में मदद की, जो वर्तमान में कोई भी देश नहीं चाहता है। टावर 22 पर हमले ने ईरान की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा पर एक छाया डाली है, जो इसमें शामिल होने से उसके लगातार इनकार के कारण और भी जटिल हो गई है। ब्रिटेन ने पश्चिम एशियाई क्षेत्र में बढ़ते तनाव, विशेष रूप से इजरायल–फिलिस्तीनी विवाद पर गंभीर चिंता व्यक्त की। इन भूराजनीतिक पेचीदगियों के बीच, यूके और ईरान दोनों के राजनयिक बयान स्थिति की गंभीरता को रेखांकित करते हैं, आगे की अस्थिरता को कम करने और क्षेत्रीय शांति को बढ़ावा देने के लिए सहयोगात्मक प्रयासों की अनिवार्यता पर जोर देते हैं। जॉर्डन में यू.एस एक बड़ा सवाल यह उठता है कि जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य टुकड़ी क्यों मौजूद है? आईएसआईएल के खिलाफ युद्ध में टॉवर 22 पर अमेरिकी उपस्थिति महत्वपूर्ण रही है।

मतदान धीरे-धीरे समाप्ति की ओर बढ़ रहा

अवधेश

विपक्षी पार्टियां भाजपा के बारे में तो बता रही हैं कि उन्हें बहुमत से कम सीटें मिलेंगी, लेकिन उन्हें कितनी सीटें मिलेंगी, वे यह नहीं बता पा रहीं। चुनाव के दौरान पक्ष और विपक्ष द्वारा विजय एवं सीटों के आंकड़ों को लेकर अपने–अपने दावे करना अस्वाभाविक नहीं है। ऐसा ही इस चुनाव के दौरान भी हो रहा है। अब जबकि मतदान ध्ीरे–धीरे समाप्ति की ओर है, हमारे सामने अलग–अलग दावे आ गए हैं। मसलन, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में श्इंडियाश् गठबंधन को 79 सीटें प्राप्त हो रही हैं। राहुल गांधी कह रहे हैं कि चार जून के बाद नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे और भाजपा की सीटें डेढ़ सौ तक सिमट जाएंगी। ममता बनर्जी ने भाजपा को 200 से 220 सीटों तक सिमटा दिया है। अरविंद केजरीवाल कह रहे हैं कि भाजपा की सीटें उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, महाराष्ट्र, झारखंड सब जगह घट रही हैं। क्या वाकई अब तक के मतदान, माहौल, आदि को आधार बनाकर ऐसा निष्कर्ष निकाला जा सकता है? आज ऐसा क्या हो गया है कि लोग भाजपा को छोड़कर उसकी जगह सपा और कांग्रेस के गठबंधन को वोट देंगे? इस समय उत्तर प्रदेश में कांग्रेस प्रभावहीन पार्टी है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश में योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व, हिंदुत्व, कानून–व्यवस्था, विकास, समाज के निचले तबके तक कल्याण कार्यक्रमों का लाभ पहुंचाना आदि भाजपा की जीत के प्रमुख कारण रहे हैं, जो आज भी विद्यमान हैं। माफियाओं की मृत्यु पर सपा का जो रवैया रहा, उससे जनता के बड़े वर्ग को लगा कि योगी आदित्यनाथ ही अपराधियों, माफियाओं और गुंडों के विरुद्ध कार्रवाई कर सकते हैं, सपा या अन्य दल नहीं। अगर इसी पहलू को राष्ट्रीय स्तर पर देखें, तो प्रश्न यही उठेगा कि जिन कारणों और सामूहिक मनोविज्ञान के तहत लोगों ने 2014 में स्थापित राजनीतिक शक्तियों को उखाड़कर नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को बहुमत दिया, क्या वे कारण खत्म हो गए? वर्ष 2014 में भाजपा को नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनता का नकारात्मक एवं सकारात्मक, दोनों प्रकार का मत मिला था। तत्कालीन केंद्रीय शासन और राज्यों की पार्टियों, नेताओं की राजनीति और सत्ता के विरुद्ध लोगों का विद्रोह था, तो मोदी एवं भाजपा को व्यापक समर्थन। यूपीए सरकार के निराशाजनक प्रदर्शनों आदि के साथ हिंदुत्व अभिप्रेरित राष्ट्रीय चेतना तथा एक नेता के रूप में नरेंद्र मोदी का गुजरात में प्रदर्शन और उनका व्यक्तित्व लोगों के लिए आकर्षण का कारण बना। वर्ष 2019 में भाजपा को और ज्यादा सीटें मिलीं। अब भी ये सारे कारण खत्म नहीं हुए हैं। बेशक एक–दो राज्यों में भाजपा का प्रदर्शन कमजोर हो सकता है, किंतु कुछ राज्यों–पश्चिम बंगाल, ओडिशा और तेलंगाना में उसका प्रदर्शन बेहतर होने की संभावनाएं हैं। विपक्षी पार्टियां भाजपा के बारे में तो बता रही हैं कि उन्हें बहुमत से कम सीटें मिलेंगी, लेकिन उन्हें कितनी सीटें मिलेंगी, यह कोई नहीं बता रहा। सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस को ही लीजिए।

उसका वोट प्रतिशत और सीट अचानक किस आधार पर इतना बढ़ जाएगा कि वह भाजपा के निकट पहुंच जाएगी? दक्षिण के तीन राज्यों– केरल, तेलंगाना और कर्नाटक में उसे कितनी सीटें मिल सकती हैं, जिससे यह मान लिया जाए कि कांग्रेस 150 या उससे ज्यादा स्थान प्राप्त कर लेगी? कर्नाटक में भाजपा अब भी एक बड़ी शक्ति है। इसलिए नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को पूरी तरह पराजित करना कांग्रेस के लिए संभव नहीं दिखता। दिल्ली में विधानसभा चुनाव में जबर्दस्त प्रदर्शन करने के

बावजूद आप लोकसभा चुनाव कभी भाजपा के आसपास नहीं पहुंच सकी। कांग्रेस और आप, दोनों के पिछले चुनाव के मत प्रतिशत मिला दिए जाएं, तब भी भाजपा को मिले 56.86 प्रतिशत से काफी कम है। स्वाति मालीवाल के विरुद्ध मुख्यमंत्री आवास में हिंसा के बाद आप को चुनावी सफलता मिलने की कल्पना नहीं की जा सकती। बिहार में नीतीश कुमार की वापसी को भाजपा, उसके समर्थकों, कार्यकर्ताओं और राजग के मतदाताओं ने बहुत सकारात्मक रूप से नहीं लिया है। इसके बावजूद वे प्रतिशोध में आकर राजद, कांग्रेस व अन्य दलों के पक्ष में मतदान करेंगे, ऐसा नहीं लगता। कई राज्यों में मतदान प्रतिशत में गिरावट हुई है, लेकिन अभी तक चुनाव में ऐसी प्रवृत्तियां नहीं दिखी हैं, जिनके आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जाए कि आम आम जनता गुस्से में नरेंद्र मोदी, भाजपा और राजग के विरुद्ध तथा विपक्षी गठबंधन के पक्ष में एक मुश्त मतदान कर रही है।

सियासत में पीएम के कद की अनदेखी करना मुश्किल

आदित्य

प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको पर हुआ हमला स्लोवाकिया की राजनीति में दिख रहे उस विभाजन का चरम है, जो हर चुनाव, हर राजनीतिक रैली, हर अभियान और हर बयान के बाद गहराता जा रहा है। उन पर भ्रष्टाचार के आरोप बेशक लगते रहे हों, लेकिन देश की राजनीति में उनके कद की अनदेखी करना मुश्किल है। दोपहर के तीन बजे थे और तभी मैंने एक ग्रुप चौट में यह संदेश पढ़ा– शफिको को गोली मार दी।श मैंने खबर की पुष्टि करने की कोशिश की और फिर जो भी जानकारियां मुझे मिलती गई, मैं अपने दोस्तों और परिवार को भेजती रही। परेशानी यह थी कि घटना की जी कर पूरी जानकारी कहीं से मिल नहीं रही थी, जबकि हेडलाइंस पक्के तौर पर घोषणा कर रही थीं कि, श्हैंडलोवा में सरकारी बैठक के बाद रॉबर्ट फिको को गोली मार दी गई। इसमें संदेह नहीं कि स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको एक विवादित शख्सियत रहे हैं। लेकिन मुझे भरोसा नहीं हो पा रहा था कि उस दोपहर वाकई उन्हें कई बार गोली मारी गई होगी? अस्पताल में सर्जरी के बाद अगले दो दिन तक उनकी हालत गंभीर, लेकिन स्थिर बनी रही। दरअसल, स्लोवाकिया की राजनीति इस कदर ध्रुवीकृत हो चुकी है कि बयानबाजी तो छोड़िए, आए–दिन हिंसा की खबरें आम हो गई हैं। पत्रकारों, कार्यकर्ताओं और यहां तक कि महिलाओं को भी ऑनलाइन धमकाया जा रहा है। 2016 में ऑफिस से अपने घर जाते वक्त मुझ पर भी हमला किया गया था। 2022 में एक बार के बाहर दो लोगों पर घातक हमला किया गया, जो राजनीति से प्रेरित था। हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दो पूर्व मंत्रियों में हाथा–पाई की नौबत आ गई। हालांकि ज्यादातर मामलों में ये नफरतपूर्ण बयानबाजी इंटरनेट तक ही सीमित है और अब तो यह सामान्य बात महसूस होने लगी है। कानून निर्माता, कार्यकर्ता और पत्रकार इसे सार्वजनिक जीवन में भाग लेने की कीमत मानते हैं। हम खुद को आश्वस्त करते रहते हैं कि जो लोग ऑनलाइन धमकी भरे संदेश भेजते हैं, वे असल जिंदगी में अमूमन ऐसा नहीं करते। जाहिर है कि इस माहौल का असर राजनीति पर भी पड़ा है। देश की प्रगतिशील पूर्व राष्ट्रपति जुजाना कैपुतोवा, जो नागरिक अधिकारों की वकील भी हैं, स्पष्ट करती हैं कि उन्हें और उनके परिवार को मिल रही मौत की धमकियों की वजह से ही उन्होंने दोबारा चुनाव न लड़ने का निश्चय किया था। लेकिन अब हालात बद से बदतर हो रहे हैं। अब किसी ने प्रधानमंत्री को गोली मार दी है। पीछे मुड़कर देखें, तो यही लगता है कि नफरती बयानबाजी अनिवार्य रूप से, धीरे–धीरे हिंसा पर उतर आई है और हम इस खतरनाक क्षण में इंतजार कर रहे हैं कि आगे क्या होगा। मुमकिन है कि सरकार की तरफ से कठोर कार्रवाई की जाएगी, और सबकुछ बदतर होता जाएगा। या फिर हम ठंडे दिमाग से उठेंगे, अपने खंडित देश के टुकड़ों को उठाएंगे और उन्हें वापस जोड़ने की कोशिश करेंगे। स्लोवाकिया की राजनीति में फिको के कद की अनदेखी करना मुश्किल है। वह कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य रह चुके हैं और स्मर पार्टी के संस्थापक सदस्य भी रहे हैं, जो अपने शुरुआती दिनों में उदार वामपंथी पार्टी थी। वह 2006 से चार बार देश के प्रधानमंत्री रहे हैं। मुख्यधारा की मीडिया के साथ उनके संबंध पिछले काफी समय से खराब होने लगे थे। उन पर लगातार भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं और 2016 में तो उनके भ्रष्टाचार का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों ने उनके और उनके उपप्रधानमंत्री के इस्तीफे की नाकामयाब मांग भी की। लेकिन 2018 में जब पत्रकार जान कुसिएक और उनकी मंगेतर की उनके अपार्टमेंट में उस वक्त गोली मार कर हत्या कर दी गई, जब वह राजनीतिक भ्रष्टाचार के एक मामले की तफ्तीश कर रहे थे, तो इस घटना ने स्लोवाकिया की राजनीति को विभाजित कर दिया। तब उनके खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारी उन्हें पद से हटाने की मांग कर रहे थे, और उस वक्त वे कामयाब भी हो गए थे। इसके बाद जनता मोटे तौर पर दो खेमों में बंटी रही। एक फिको के पक्ष में और दूसरे विपक्ष में। जो फिको के समर्थन में थे, वे कामकाजी वर्ग के और राष्ट्रवादी थे और जो उनके विरोध में थे, वे ज्यादातर उदारवादी अभिजात्य वर्ग से थे। जब फिको ने पिछली बार वापसी का प्रयास किया, तब उन्होंने दक्षिणपंथी विचारों का ही सहारा लिया था। हालांकि उनकी पार्टी अभी भी सोशल डेमोक्रेट के रूप में खुद को पेश करती है, और उन्होंने आसानी से जीत भी हासिल कर ली थी। लेकिन पिछले कुछ महीनों से देश का राजनीतिक माहौल एक बार फिर बेहद तनावपूर्ण हो गया है। फिको के पद संभालने के बाद से उनके गठबंधन ने सरकारी प्रसारक को बदलने की विवादास्पद कोशिशें कीं और यूरोपीय संघ की चेतावनियों और विरोध के बावजूद भ्रष्टाचार विरोधी निगरानी संस्था को नष्ट कर दिया। अप्रैल में राष्ट्रपति चुनाव में, जिसमें कैपुतोवा ने हिस्सा नहीं लिया था, फिको के सहयोगी पीटर पेलेग्रिनी ने जीत हासिल की। वहां से देश सीधे यूरोपीय संघ के चुनाव के प्रचार अभियान में शामिल हो गया। स्लोवाकिया की राजनीति में विभाजन दरअसल हर चुनाव, हर राजनीतिक रैली, हर अभियान और बयान के बाद गहराता जा रहा है। दुर्भाग्यवश यह नीति व मुद्दों के बारे में कम और अच्छाई व बुराई के बीच की चमत्कारिक लड़ाई के बारे में अधिक होता जा रहा है। इसमें कोई भी पक्ष कम नहीं है। पिछले वर्ष फिको के विरोधियों ने आरोप लगाया कि वे देश को माफिया के हवाले कर देंगे। कैपुतोवा ने भी फिको पर मुकदमा दायर कर दिया, क्योंकि उन्होंने कैपुतोवा को अमेरिका के हाथों की कठपुतली और जॉर्ज सोरोस समर्थक बताया था। लेकिन फिको के साथ ये जो घटना हुई, उससे पहले तक हम इन आरोपों –प्रत्यारोपों को सामान्य मानने लगे थे। फिको पर हमले के कुछ घंटे बाद वीडियो फुटेज सामने आए और हमलावर की ऑनलाइन गतिविधियों की जांच की गई।

कविता

कवि हरीश शर्मा
लक्ष्मणगढ़ – (सीकर) राजस्थान
'देश की उपासना'

वहम पाले बैठे हैं लोग

बदला समय, जमाना बदला
नहीं समझ कुछ आता।
राह बनाते, अपनी अपनी,
अपने मन से नाता।
अपनी धुन में गुमसुम से सब,
वहम पनपता जाए।
कैसे बने केरियर अपना,
चिन्ता यही सताए।
युवा वर्ग के प्रश्न अनौखे,
करें सदा मनमानी।
झूठी शान, दिखावा झूठा,
झूठी प्रेम कहानी।
वहम पाल कर बैठे हैं सब,
कोई, कहां, क्या जाने,
मेरा कथन, वही है सच,
क्यों कहा किसी का माने।
युवा प्रगति पथ पर नित बढ़ता ,
किन्तु बहुत कुछ छूटा।
भरा जहन में वहम सभी के,
उसने ही सब लूटा।
सामंजस्य कहो कैसे हो,
संवरे ना परिवार।
है गुरुर का नशा सभी पर,
कहां नहीं तकरार।
नहीं प्रेम के रिश्ते–नाते ,
समझौता सा बन्धन।
बिखरा सा पर नजर न आए,
अब विवाह का क्रंदन।

तिब्बत के 14वें दलाई लामा होने का महत्व

आदित्य

14वें दलाई लामा (आध्यात्मिक नाम– जेत्सुन जम्फेल न्गवांग लोबसांग येशे तेनजिन ग्यात्सो), जिनका जन्म 6 जुलाई, 1935 को हुआ था, 1959 से भारत में रह रहे हैं, और तिब्बती बौद्ध धर्म के सर्वोच्च आध्यात्मिक नेता और सबसे प्रतिष्ठित प्रमुख हैं। जब मैंने तिब्बत का दौरा किया था, तो आम तिब्बतियों को उनका पदक पहने हुए देखना आम बात थी। तिब्बत, युन्नान और किंघई में अधिकांश तिब्बती–स्वामित्व वाली दुकानों में उनकी तस्वीरें देखना भी बहुत आम था। दलाई लामा का चर्च प्रभाव भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों जैसे अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और लद्दाख तक फैला हुआ है। चीन के साथ ऐतिहासिक राजनीतिक पहचान जुड़ी होने के बावजूद, तिब्बत पारंपरिक रूप से नैतिक और आध्यात्मिक पोषण के लिए भारत की ओर देखता रहा है। तिब्बत का चीन के साथ संघर्ष का एक लंबा इतिहास रहा है और वर्तमान दलाई लामा भारत में शरण लेने वाले पहले व्यक्ति नहीं हैं। अंग्रेजों की स्वतंत्र तिब्बत के रूप में चीन के खिलाफ एक बफर बनाने की सक्रिय नीति थी। ल्हासा में चीनी अंबन (पूर्णाधिकारी) ने तिब्बत में यंगहसबैंड अभियान के प्रयासों को निष्क्रिय रूप से देखा और इसका एक तत्काल परिणाम तिब्बत की स्वतंत्रता का दावा था। 1 जनवरी, 1912 को सन यात सेन के राष्ट्रपति के साथ चीन गणराज्य की स्थापना के बाद, उसी वर्ष अप्रैल में 13वें दलाई लामा ने चीन के साथ तिब्बत के संबंध समाप्त करने की घोषणा की और अंबन और सभी चीनी सैनिकों को निष्कासित कर दिया। 1949 में गृहयुद्ध में जीत के लगभग तुरंत बाद, चीनी कम्युनिस्टों ने तिब्बत पर फिर से नियंत्रण स्थापित कर लिया, जो तब तक चार दशकों से अधिक की स्वतंत्रता का आनंद ले चुका था। तब से, भारत ने पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना में अपने विलय को स्वीकार करके तिब्बत समस्या का समाधान करने का प्रयास किया है। उसके बाद के वर्षों में, चीनी कम्युनिस्टों ने माओ के साम्यवाद के साथ तिब्बती राष्ट्रवाद और बौद्ध धर्म को मिटाने का प्रयास करके तिब्बत समस्या को हल करने का प्रयास किया। यह सफल नहीं हुआ. इस नीति का स्थान अब धीरे–धीरे बढ़ते ष्हनिजेशनष और आर्थिक विकास की भारी खुराक ने ले लिया है। इन्होंने भी चीनियों के लिए आंशिक रूप से ही काम किया है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि वे माओवादियों की तुलना में इसमें बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। हालाँकि तिब्बत अब अपेक्षाकृत निष्क्रिय है, यह अभी भी एक सूखा टिंडरबॉक्स बना हुआ है और चीनी किसी भी चिंगारी की संभावना से डरते हैं जो आग लगा सकती है। भारत के लिए भी, नीति ने आंशिक रूप से काम किया है। 150,000 से अधिक तिब्बती शरणार्थी अब भारत में रहते हैं, और भारत अपने राष्ट्र को पुनः प्राप्त करने के लिए तिब्बतियों द्वारा विश्वव्यापी संघर्ष का आधार बन गया है। संक्षेप में, तिब्बत मुद्दा, हालांकि अब निष्क्रिय है, फिर भी बहुत जीवित है और चाहे भारत इसे पसंद करे या नहीं, यह उसके सामने खेला जा रहा है। इस निरंतर संघर्ष के केंद्र में दलाई लामा का अंतर्राष्ट्रीय कद रहा है, जो कई आदर्शों और छवियों का प्रतीक बन गया है। नए युग के अध्यात्मवाद, नैतिकता, पारिस्थितिक मूल्यों और राजनीति के मिश्रण ने दलाई लामा के लिए तिब्बती बौद्ध धर्म के कई प्रभावशाली और धनी पश्चिमी अनुयायियों और तिब्बत के समर्थकों को जीत दिलाई है। आज, हिमाचल प्रदेश में धर्मशाला के उपनगर, मैक्लोडगंज का छोटा सा इलाका एक चुंबक है, जो जीवन में नए अर्थ और उद्देश्य की तलाश में बड़ी संख्या में युवा पश्चिमी लोगों को आकर्षित करता है। इसमें अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की पूर्व अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी जैसी शीर्ष राजनीतिक हस्तियां और रिचर्ड गेरे और उमा थुरमन जैसे शीर्ष हॉलीवुड अभिनेता शामिल हैं। चीन और भारत दोनों को दलाई लामा के बाद के काल की चिंता करनी चाहिए। तिब्बती लोग दलाई लामा को जीवित भगवान मानते हैं। लेकिन वह भी इंसान है और उसे सभी इंसानों की तरह मरना होगा। वह अब 88 वर्ष के हैं, और समय निश्चित रूप से उनके साथ नहीं है। जब तक वह जीवित हैं, वह तिब्बती राष्ट्रवाद के अंगारों को अपने द्वारा बुने गए नए युग के बौद्ध धर्म के कंबल से जलने से रोकते हैं। जब यह दलाई लामा चले जायेंगे, तो अंगारे शायद जल जायेंगे। निर्वासितों का चुना हुआ नेतृत्व चुनौती रहित नहीं रहेगा। चीनी कम्युनिस्ट लगभग निश्चित रूप से अपने स्वयं के अवतार को थोपने का प्रयास करेंगे और अपने पास उपलब्ध सभी शक्तियों के साथ इसे वैध बनाने का प्रयास करेंगे। इसकी संभावना नहीं है कि वे सफल होंगे, लेकिन यह निश्चित रूप से स्थिति को अस्पष्ट कर देगा और तिब्बती बौद्धों के आध्यात्मिक नेतृत्व के मुद्दे पर भविष्य में किसी भी समझौते को रोक देगा। हालाँकि आध्यात्मिक नेतृत्व पर विवाद हो सकता है, लेकिन यह लगभग अपरिहार्य है कि तिब्बती निर्वासितों की एक नई पीढ़ी तिब्बती राष्ट्रवादी आंदोलन के अस्थायी नेतृत्व के लिए दावा पेश करेगी। यदि भारत स्थित अवतार के आसपास रीजेंसी द्वारा इसका विरोध किया जाता है, तो हम लगभग निश्चित रूप से युवा तिब्बतियों के दिल और दिमाग के लिए एक प्रतिस्पर्धा देखेंगे और यह अनिवार्य रूप से सत्ता के लिए अलग–अलग गुटों के रूप में अधिक मुखर मुद्राओं को जन्म देगा। ऐसे आंतरिक संघर्षों का परिणाम अक्सर अधिक उग्रवाद होता है, जिसका आधार भारत है। दूसरी ओर, हम तिब्बती निर्वासितों के बीच उभरते हुए नेतृत्व के द्वंद्व को देख सकते हैं, एक आध्यात्मिक नेतृत्व जो आत्मा की ओर झुकता है और एक उग्रवादी नेतृत्व जो राजनीतिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए संघर्ष का नेतृत्व करता है। यह दलाई लामा की दूरदर्शिता और दूरदर्शिता का ही परिणाम है कि ऐसे दोहरे नेतृत्व की रूपरेखा अब उभर रही है, दूसरे चरण के साथ। सबसे प्रसिद्ध बौद्ध धार्मिक व्यक्ति, उगेन थिनले, करमापा (अब जर्मनी में), और निर्वासित सरकार के सिक्योंग (राष्ट्रपति), टेम्पा शेरिंग। दोनों को अब प्रवासी तिब्बती समूहों और तिब्बत के भीतर काफी प्रतिष्ठा प्राप्त है। भारतीय दृष्टिकोण से, अंतरिम रूप से एक वैकल्पिक धार्मिक नेता के उदय से तिब्बती बौद्ध आंदोलन के बिखराव को रोका जा सकेगा।

कांग्रेस को अपनी गलत नीतियों व गलत कार्य प्रणाली के कारण सत्ता से होना पड़ा बाहर - मायावती

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बसपा सुप्रीमो मंगलवार को जिलें की दोनों लोकसभा सीटों को सवंसा गांव से जनसभा को संबोधित किया। बसपा के दोनों सीटों के प्रत्याशियों के पक्ष में लोगों से वोट मांगा। बसपा सुप्रीमो मायावती ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी पार्टी अपने दम पर दमदारी से चुनाव लड़ रही है। हमारी ऐसी पार्टी है जो सर्वसमाज को भागीदारी देते हुए बनारस मंडल के सर्वसमाज को चुनाव लड़ने का मौका दिया है। आज इतनी भीड़ देखकर मुझे भरोसा हुआ है कि हम चुनाव जीत रहे है। विपक्षियों पर हमलावर होते हुए कहा कि कांग्रेस – बीजेपी सहयोगी दल के बारे में कहना चाहूंगी, कि आजादी के बाद शुरू से केंद्र व राज्य में भी ज्यादातर सत्ता कांग्रेस पार्टी के हाथों में केंद्रित रही है। किंतु इनके अधिकांश मामले में रही गलत नीतियों एवं गलत कार्यप्रणालीयों आदि की वजह से ही फिर इस पार्टी को केंद्र व काफी राज्यों में सत्ता से बाहर होना पड़ा। यही स्थिति इनकी सहयोगी पार्टीयों की बनी रही है। जब आजादी के बाद केंद्र व देश के ज्यादातर राज्यों में कांग्रेस पार्टी सत्ता में आयी ,केंद्र में जब पहली बार कांग्रेस की सरकार बनी थी। कांग्रेस की पहली सरकार में डॉ भीम राव अंबडेकर लां मिनिस्टर थे। कांग्रेस के मुखिया ने पंडित जवाहर लाल नेहरू एन्ड कंपनी से यह कहा भारतीय संविधान में एससी ,एसटी के लोगों को जो सरकारी नौकरी में आरक्षण दिया जा रहा है उनका पूरा लाभ नही मिल पा रहा है। इनको पूरा लाभ मिलना चाहिए। संविधान में आर्टिकल 340 की व्यवस्था है। अति पिछड़ा जो लोग है उनको भी आरक्षण मिलना चाहिए तमाम और भी बातें थी जो कांग्रेस पार्टी के लोगों डॉ भीम राव अंबडेकर की बातों को नही माने। डॉ साहब इन सभी बातों से दुखी होकर मिनिस्ट्री पद से इस्तीफा दे दिया।

कांग्रेस के पुरखे भी आरक्षण विरोधी रहे

बसपा सुप्रीमो मायावती कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी के चेले चपाटे कहते है कि हम आरक्षण के खिलाफ नही है। हम संविधान के खिलाफ नही है। इनके पुरखे ने तो संविधान के खिलाफ जाकर काम किया। और आरक्षण का पूरा लाभ आप लोगों को नही दिया था। कांग्रेस पार्टी के चेले चपाटे वोट के लिए आरक्षण को लेकर बड़ी बड़ी बातें कह रहे है। इस मामले ने बीजेपी भी पीछे नही है। सभी पार्टियों की नियत,सोच आरक्षण के खिलाफ है। इसी नाते मुझे बसपा पार्टी बनाने की जरूरत पड़ी। अगर कांग्रेस पार्टी शुरू में अपनी जिम्मेदारी निष्ठापूर्वक निभाया होता तो मुझे बसपा पार्टी बनाने की जरूरत नही पड़ती और इतना ही जिसकी वजह से ही फिर कई वर्षो से बीजेपी व अन्य इनके सहयोगी दल केंद्र व काफी राज्यों में सत्ता में काबिज हो गए है। लेकिन इनकी भी ज्यादातर रही जातिवादी ,पूंजीवादी, संक्रिन, सम्प्रदाय, देवषपूर्ण नीतियों एवं कार्यप्रणाली आदि से तथा इनकी कथनीय व करनी से काफी अंतर होने की वजह से अब ऐसा लगता है। इस बार बीजेपी पार्टी भी केंद्र की सत्ता में आसानी से आने वाली नही है। यदि इस बार ये चुनाव निष्पक्ष होता है और आम चर्चा के अनुसार अगर वोटिंग मशीन में गड़बड़ी नही होती है तो वैसे भी इस बार के चुनाव में चल रही नई पुरानी नाटकबाजी, जुमलेबाजी व गारंटी काम मे आने वाली नही है। क्योंकि देश की जनता काफी हद तक सब समझ चुकी है।

गंगा स्नान करते समय तीन किशोर डूब गए, दो को बचाया गया, एक का अता पता नहीं

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)

गंगा नदी में स्नान करते समय तीन लड़के डूब गए जिसमें दो को बचा लिया गया, लेकिन तीसरे का तीन घंटे बाद भी कोई सुराग न लग सका। ऐसे में ग्रामीणों के साथ गोताखोर तलाश में जुटे हुए है। जानकारी के अनुसार बुधवार को दोपहर साढ़े ग्यारह बजे रहीमपुर लोनारी गांव के आकाश 15 वर्ष पुत्र सुरेंद्र, रेशू 14 वर्ष पुत्र भगवानदीन और सोनू 14 वर्ष पुत्र नरेश जो देवीपुरवा गांव के पास से गुजरी गंगा नदी के किनारे तरबूज लेने गया था। तभी तीनों लड़के गंगा में स्नान करने लगे। इसी दौरान गंगा में स्नान करते समय रेशू और सोनू को आस पड़ोस के ग्रामीणों द्वारा किसी तरह से बचा लिया गया लेकिन आकाश गंगा नदी में डूब गया, गंगा में डूबने की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। ग्रामीण गोताखोरो की मदद से तलाश में लगे हुए है। लेकिन चार घंटे बाद तक पता न चल सका। आकाश तीन भाई और एक बहन है। जो दूसरे नंबर का था। उसके पिता खेती किसानी करते है। इस संबंध में उपनिरीक्षक रामलाल सोनकर ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है।

मतदेय स्थल से 200 मीटर दूरी पर कैमरा मोबाइल ले जाना शक्त मना – जिलाधिकारी

जौनपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ ने अवगत कराया है कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ०प्र० ने सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो का संज्ञान लेते हुए कड़े निर्देश निर्गत किये गये हैं कि मतदान केन्द्रध्स्थल के 200 मीटर के लिए निर्धारित एस०ओ०पी० के विचलन की स्थिति के लिए संबंधित मतदान टीम के साथ–साथ क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी, सेक्टर पुलिस अधिकारी, सेक्टर मजिस्ट्रेट और ए०आर०ओ० भी पूर्णतः उत्तरदायी माना जायेगा। भारत निर्वाचन आयोग के स्पष्ट निर्देश हैं कि मतदेय स्थल में अनाधिकृत मोबाईल, डिजिटल कैमरा, वीडियो अनुमन्य नहीं है। स्पष्ट निर्देश के बाद भी एक मतदाता द्वारा मतदान डालते हुए वीडियो वायरल किया गया है, जो अत्यन्त गंभीर घटना है। इस संबंध में निम्न सावधानियाँ अपेक्षित है –पुलिस ब्रीफिंग के समय सुरक्षा कर्मचारियों–अधिकारियों को मतदेय स्थल के निर्धारित सीमा में अनाधिकृत मोबाईल या वीडियो न ले जाने के संबंध में स्पष्ट रूप से अवगत करा दिया जाय और प्रत्येक दशा में आयोग के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाय। प्रत्येक दशा में मतदान की सुचिता और गोपनीयता बनाये रखी जाय। यह मतदाताओं के साथ–साथ मौके पर उपस्थित कर्मचारियोंध्अधिकारियों व भ्रमण करने वाले अधिकारियोंध् कर्मचारियों पर भी समान रूप से लागू होगा। आर०पी०ऐक्ट–1951 की धारा 128, 132 व 136 व आई०पी०सी० 1860 की धारा 171–एफ में वर्णित मतदान की गोपनीयाता व दाण्डिक प्राविधानों के संबंध में सभी कर्मचारियोंध्अधिकारियों को भली–भांति अवगत करा दिया जाय। किसी भी विचलन की स्थिति में वह स्वयं उत्तरदायी होंगे।

प्रो0 विवेक मिश्रा राष्ट्रवादी पीपुल्स पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राष्ट्रवादी पीपुल्स पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आर. बी. सिंह द्वारा प्रो. विवेक मिश्र (संकायाध्यक्ष, श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स, लखनऊ) को बुधवार को पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी समिति, उ.प्र. का सदस्य मनोनीत किया गया। प्रोफेसर विवेक मिश्र शिक्षाविद्, समाजसेवी एवं कैरियर काउंसलर के रूप में ख्यातिलब्ध हैं। शिक्षा जगत में विगत कई वर्षों से सेवारत है। प्रदेश कार्यकारिणी में शामिल होने पर प्रो0 विवेक मिश्रा के घर लोग बधाई देने पहुंचे।

एमएलसी पवन सिंह चौहान ने लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने के लिए मतदान के अधिकार का किया प्रयोग

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लोकतंत्र के महापर्व के अवसर पर २०/५/२४ को जानकीपुरम में मतदान कर राष्ट्रनिर्माण में अपनी भूमिका अदा की। सामान्य, अतिसामान्य, वरिष्ठ , अतिवरिष्ठ मतदाताओं के अंदर वर्तमान सरकार के लिया लहर और मोदी जी और योगी जी के नेतृत्व को पुनः मजबूती प्रदान करने की भावना को देखकर बहुत प्रसन्नता और पूर्ण विश्वास के साथ कहा जा सकता है कि पुनः नरेन्द्र मोदी जी ४०० सीट लक्ष्य जीतकर प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। एमएलसी पवन सिंह जी विजय मुद्रा में वोट देने के बाद अपने सभी मित्रो के साथ सभी मतदाताओं को प्रोत्साहित किया।

व्यय प्रेक्षकों की निगरानी टीम ने किया जांच पड़ताल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 हेतु नामित व्यय प्रेक्षक 73–जौनपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र मुण्डे राजेश बालाजी राव कुसुम द्वारा एसएसटी टीम मुरादगंज में, पट्टी नरेंद्रपुर में तथा एफएसटी टीम शाहगंज रेलवे स्टेशन पर टीमों द्वारा आने जाने वाले वाहनों की चेकिंग की गई। इस दौरान निरीक्षण करते हुए स्थायी निगरानी टीम को निर्देशित किया गया कि जनपद के थानों द्वारा चेकिंग बैरियर, एसओपी के अनुसार चेकिंग करेंगे। उड़नदस्ता टीम में गठित टीमों प्रभारी रिजर्व, स्थायी निगरानी, एफएसटी, एसएसटी के लिए चेकिंग बैरियर, अवैध शराब, नगदी के सन्दर्भ में भी जानकारी ली और उपस्थित सभी अधिकारियों को माननीय निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हम सभी को निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कार्य कर चुनाव को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना है।

हरीश कुमार शाही बने नये प्रभारी निरीक्षक आरपीएफ अयोध्या

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। रेल यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधा उपलब्ध कराना नवागत प्रभारी निरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल अयोध्या हरीश कुमार शाही की प्रमुख प्राथमिकता है।उन्होंने बताया कि अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन को हर क्षेत्र में उत्कृष्ट बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगे।श्री नगर जम्मू से स्थानांतरित होकर आये प्रभारी निरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल अयोध्या हरीश कुमार शाही ने बताया कि अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ बीच बीच में बैठक कर रणनीति बनाने का काम करेगे।जिसके चलते वहां पर किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति न उत्पन्न हो।उन्होंने बताया कि रेलवे स्टेशन परिसर के अंदर जो भी कार्य पूरे नहीं हुए हैं उसे शीघ्र से शीघ्र पूरा कराने का कोशिश किया जायेगा।जिसके चलते इस स्टेशन

से सफर करने वाले रेल यात्रियों को किसी भी तरह की कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।उन्होंने बताया कि स्टेशन परिसर के अंदर व बाहर अनावश्यक रूप से घूमते हुए लोगों, अराजक तत्वों, प्रतीक्षालय में अनावश्यक रुप से बैठे लोगों पर अंकुश लगाने तथा इधर से गुजरने वाली सभी ट्रेनों में रेलवे सुरक्षा बल के कर्मियों के साथ सघन चेकिंग अभियान चलाया जाएगा।इन पर शिकंजा कसने के लिए रेलवे सुरक्षा बल के कर्मी वर्दी व सिविल कपड़ों में सक्रिय रहेंगे।जिनकी पैनी नजर स्टेशन परिसर के अंदर व बाहर के साथ साथ इधर से गुजरने वाली ट्रेनों पर रहेगी। उन्होंने रेलवे यात्रियों व उनको स्टेशन के अंदर छोड़ने वाले परिजनों से अपील किया कि सभी के रेलवे विभाग द्वारा अधिकृत टिकट/प्लेटफार्म टिकट होना चाहिए।नही तो उनके खिलाफ रेलवे अधिनियम के तहत कार्यवाही की जायेगी।बताते चलें कि प्रभारी निरीक्षक हरीश कुमार शाही इससे पहले श्री नगर, चारबाग रेलवे स्टेशन,रायबरेली में तैनात रह चुके हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा "स्नेहाशीष" नाम से एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। यूजीसी–नेट/जेआरएफ परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले छात्रों की तैयारी के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा "स्नेहाशीष" नाम से एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया है। यह सात दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला है जो 23.05.2024 से 29.05.2024 तक चलेगी। कार्यशाला के प्रत्येक दिन क्रमशः शाम 5:00 बजे से 6:00 बजे और शाम 6:00 बजे से 7:00 बजे तक दो सत्र होंगे। इस कार्यशाला का उद्देश्य आगामी परीक्षा के लिए यूजीसी–नेट के अभ्यर्थियों को मार्गदर्शन प्रदान करना है। छात्रों को लाभान्वित करने के लिए यह कार्यशाला निःशुल्क प्रदान की जाएगी। कार्यशाला का आयोजन प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, संयोजक डॉ. अर्चना शुक्ला,

आयोजन सचिव डॉ. मेघा सिंह और डॉ. हंसिका सिंघल, असिस्टेंट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय के संरक्षण में किया गया है। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि कला संकाय के डीन प्रो. अरविंद अवस्थी होंगे और विशिष्ट अतिथि छात्र कल्याण डीन प्रो. संगीता साहू होंगी। इस कार्यशाला के लिए लगभग 100 छात्रों ने पंजीकरण कराया है और तेरह प्रतिष्ठित वक्ता इस कार्यक्रम में भाग लेंगे, जो मनोविज्ञान के भारतीय प्रतिमानों, भगवद गीता, प्रायोगिक डिजाइन, मानव अनुभूति, जैव मनोविज्ञान, बौद्ध धर्म और सूफीवाद, चिकित्सा आदि जैसे विभिन्न विषयों पर प्रकाश डालेंगे। सभी सत्रों के वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के मनोविज्ञान विभाग के नेट–जेआरएफ उत्तीर्ण पूर्व छात्र हैं, जो वर्तमान में इग्नू, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी और महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ जैसे शीर्ष–रेटेड संस्थानों में कार्यरत हैं। वे एक इंटरैक्टिव मंच प्रस्तुत करेंगे, जहां उम्मीदवार अपनी शंकाओं या प्रश्नों के बारे में चर्चा करेंगे। मनोविज्ञान विभाग को उम्मीद है कि यह कार्यशाला छात्रों को बहुमूल्य ज्ञान और कौशल प्रदान करेगी।

किसान की धारदार हथियार और ईंट से कूचकर हत्या

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना) पचदेवरा थाना क्षेत्र के बिलसर हिलेंन गांव में किसान की धारदार हथियार और ईंट से कूचकर हत्या कर दी गई। उसका शव खेत में पड़ी झोपड़ी के बाहर चारपाई पर पड़ा मिला। घटना की जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस उपाधीक्षक अनुज मिश्र के अनुसार बिलसर हिलेंन निवासी बबलू (32) खेती करता था। उसके पिता राजकुमार ने बताया कि बबलू मंगलवार की रात गांव से दो सौ मीटर दूर स्थित खेत में मूंगफली की फसल की रखवाली करने के लिए गया था। बुधवार सुबह राज कुमार जब खेत गया, तो बबलू का शव चारपाई पर पड़ा मिला। धारदार हथियार से बबलू के गले पर वार किया गया था और चेहरा व सिर ईंट से कुचला गया था। मौके पर खून से सनी ईंट भी पड़ी मिली। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी मार्तंड प्रकाश सिंह मौके पर पहुंचे और जानकारी ली। मृतक के पिता ने गांव के ही एक व्यक्ति पर हत्या करने की आशंका जताई है।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट ने विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए किए गए आवेदन आमंत्रित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए अभ्यर्थियों से प्रवेश आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिसमें स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों शामिल हैं। विश्वविद्यालय ने 50 प्रतिशत सीटें दिव्यांगजन अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित की हैं, जबकि शेष सीटें सामान्य अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित हैं। इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट या ऑनलाइन प्रवेश फॉर्म पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 30 जून, 2024 है 22 मई 2024 लखनऊ– जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय चित्रकूट ने शैक्षणिक सत्र 2024–25 के लिए विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रण किये गये हैं। इस विशेष विश्वविद्यालय की स्थापना उत्तर प्रदेश सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा की गई है, जो दिव्यांगजनों के लिए उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करता है।

विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए अभ्यर्थियों से प्रवेश आवेदन आमंत्रित किए गए हैं जिसमें स्नातक में बी.ए., बीसीए, बीबीए, बीपीए (गायन/तबला), बीएफए, स्नातकोत्तर में एम.ए (विभिन्न विषयों में), एमसीए, एमबीए, एमएफए, एमपीए (गायन/तबला), एमएस डब्ल्यू, शिक्षक प्रशिक्षण में बीएड, बीएड – विशेष शिक्षा (एच.आई.वी. आई.), एमएड तथा पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम में पीजीडीसीए, पीजीडी योग है। विश्वविद्यालय ने 50 प्रतिशत सीटें दिव्यांगजन अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित की हैं, जबकि शेष सीटें सामान्य अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित हैं। विशेषताओं में दिव्यांगजन छात्रों के लिए हॉस्टल सुविधा, स्मार्ट कक्षाएं, बाधा रहित परिसर, अनुभवी शिक्षकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, हरा–भरा वातावरण, और पुनर्वास एवं रोजगार केंद्र शामिल हैं।

शो पीस बना अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन का बैग स्कैनर मशीन

अयोध्या। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के बाद से जिले में श्रद्धालुओं की संख्या में काफी बढ़ोतरी होती नजर आ रही है।सबसे अधिक भीड़ दूर दराज से आने वाले श्रद्धालुओं की अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन व अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर दिखाई दे रही है।परंतु भारी संख्या में राम नगरी दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर रेलवे विभाग सक्रिय नहीं दिखाई दे रहा है।जिसका जीता जागता उदाहरण अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार पर रेल यात्रियों के सामान की चेकिंग के लिए लगी बैग स्कैनर मशीन काफी दिनों से बंद पड़ी हुई है।मजे की बात तो यह है कि इस जगह पर किसी भी रेलवे सुरक्षा कर्मियों व राजकीय रेलवे पुलिस कर्मियों की तैनाती भी नहीं दिखाई दे रही है।जिसका नतीजा यह है इधर से गुजरने वाले रेल यात्री व अन्य लोग बिना किसी रोक–टोक व छानबीन के अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन के अंदर बाहर आ जा रहे हैं।बताते चलें कि प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद हवाई मार्ग से अधिक रेल से यात्री यात्रा कर रहे हैं।जिसके चलते यहां पर भीड़ का होना स्वाभाविक रहता है।वही की वीआईपी व्यक्ति भी रेल से राम नगरी की यात्रा कर रहे हैं।जिसके चलते इस रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा की दृष्टि से कोई कोताही नहीं होनी चाहिए।परंतु ऐसा इस रेलवे स्टेशन पर नहीं दिखाई दे रहा है। जिसके चलते कोई भी रेल यात्री व अन्य व्यक्ति कोई प्रतिबंधित सामान आसानी से रेलवे स्टेशन परिसर व ट्रेन के अंदर बैग में छिपाकर आसानी से ले जा सकता है।जो कभी भी किसी अप्रिय घटनाओं का कारण बन सकती है। इस संबंध में नवागत प्रभारी निरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल अयोध्या हरीश कुमार शाही ने बताया कि अभी एक दो दिन पहले उन्होंने यहां पर कार्यभार संभाला है। वे इस गंभीर समस्या का निराकरण शीघ्र ही करेंगे।

यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले चालकों पर महिला थानाध्यक्ष ने कसा शिकंजा

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। यातायात नियमों की नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ महिला थानाध्यक्ष मंजू देवी ने शहर के विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई किया।बताते चलें कि उन्होंने एसएसपी राज करन नय्यर के निर्देश पर शहर के रिकाबगंज, चौक, सिविल लाइन सहित अन्य प्रमुख चौराहों व सार्वजनिक स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाया।इस मौके पर उन्होंने ऐसे दो पहिया वाहन चालक जो वाहन चलाते समय हेलमेट नहीं धारण किए हुए थे तथा चार पहिया वाहन चालक जो सीट बेल्ट नहीं धारण किए हुए थे उनके वाहनों का चालान किया।इस मौके पर उन्होंने शहर के विभिन्न मार्गों पर स्थित रेस्टोरेंट, होटल व मार्गों पर संदिग्ध अवस्था में दिखे लोगों से गहनता से पूछताछ किया और संतोष जनक उत्तर मिलने के बाद ही चेतावनी देते हुए उन्हें जाने दिया।

इस मौके पर महिला थानाध्यक्ष, मंजू देवी के अलावा महिला उप–निरीक्षक सोनी,महिला उप–निरीक्षक चेतना पांडे, महिला उप–निरीक्षक श्वेता राठौड़, महिला आरक्षी प्रेरणा त्रिपाठी, निकिता, ज्योतिमा शाक्य, नेहा मिश्रा,निकिता के अलावा कई पुलिस कर्मी मौजूद रही।चेकिंग अभियान के दौरान महिला थानाध्यक्ष मंजू देवी ने बताया कि पुलिस उच्चाधिकारियों के निर्देश पर यह अभियान शहर के विभिन्न हिस्सों में लगातार चलता रहेगा। उन्होंने वाहन चालकों से अपील किया कि वाहन चेकिंग अभियान से बचने के लिए सभी लोग वाहन चलाते समय वाहन संबंधित आवश्यक कागजात रखते हुए हेलमेट व सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें।

लखनऊ सीमा से छह माह के लिए निष्कासित (जिला बदर) किये जाने का आदेश पारित किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ के अन्तर्गत थाना मोहनलालगंज व बिजनौर के मनबढ़ एवं दबंग व्यक्तियों को उ०प्र० गुण्डा नियंत्रण अधिनियम–1970 के तहत गुण्डा घोषित करते हुए लखनऊ की सीमा से 06 माह हेतु किया गया निष्कासित (जिला बदर)–न्यायालय संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था), लखनऊ में लोक शान्ति व्यवस्था बनाये रखने तथा आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने हेतु संस्थित वाद संख्याः–48 (14)ध्2024 व 54 (18)/2024 से सम्बन्धित विपक्षीगण के विरुद्ध न्यायालय में उ०प्र० गुण्डा नियंत्रण अधि०–1970 की धारा–03 के तहत सुनवाई के दौरान विपक्षीगण के विद्वान अधिवक्ता द्वारा प्रस्तुत तथ्यों व राज्य की ओर से उपस्थित विद्वान ज्येष्ठ अभियोजन अधिकारी अवधेश कुमार सिंह द्वारा अपने तर्कों के माध्यम से विपक्षीगण के विद्वान अधिवक्ता द्वारा प्रस्तुत तथ्यों का पुरजोर विरोध करते हुये विपक्षीगण को लखनऊ की सीमा से निष्कासित (जिला बदर) किया जाना उचित बताया गया।

अभियोजन पक्ष के तर्कों व पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों से संतुष्ट होते हुए आज दिनांक– 22.05.2024 को खुले न्यायालय में विपक्षीगण के आपराधिक कृत्यों पर अंकुश लगाये जाने के क्रम में उ०प्र० गुण्डा नियंत्रण अधिनियम–1970 की धारा 03 के तहत गुण्डा घोषित करते हुए लखनऊ सीमा से 06 माह हेतु निष्कासित (जिला बदर) किये जाने का आदेश पारित किया गया। ललित कुमार उम्र करीब–26 वर्ष पुत्र रामसेवक निवासी– बिन्दौवा, थाना–मोहनलालगंज, लखनऊ, फैजान खान उम्र करीब 24 वर्ष पुत्र मुजीब खान निवासी पटवारी मोहल्ला कस्बा व थाना–बिजनौर, लखनऊ को जिला बदर किया गया।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरुक

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। महिलाओं व बालिकाओं को जागरुक करने के लिये मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला पुलिस कर्मियों ने शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों जागरुक किया। मंगलवार को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में महिला पुलिस कर्मियों ने जाकर पंपलेट के माध्यम से विभिन्न स्कूलों,पार्को, सार्वजनिक स्थानों व चौराहों पर जाकर महिलाओंध् बालिकाओंध्छात्राओं को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं एवं विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों के बारे में जागरुक किया।इस मौके पर इन महिलाओं व बालिकाओं को पुलिस कर्मियों ने शासन द्वारा चलाए जा रहे मिशन शक्ति नारी सुरक्षा,नारी सम्मान एवं

एंटी रोमियो के तहत बालिकाओं को मिशन शक्ति नारी सुरक्षा व साइबर संबंधित अपराध के बारे में जानकारी दिया गया।इस मौके पर इन महिला पुलिस कर्मियों ने पार्कों,स्कूलों व अन्य सार्वजनिक स्थानों के आस पास घूम रहे कम उम्र के लड़कों से पूछताछ किया। सही जवाब मिलने के बाद ही उन लड़कों को हिदायत देते हुए छोड़ दिया गया।

इस मौके पर पुलिस कर्मियों ने महिलाओं व बालिकाओं को किसी भी प्रकार की सहायता के लिये विमेन पावर लाइन 1090,यूपी 112,ऑपरेशन कवच 181 महिला हेल्पलाइन,1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड लाइन , साइबर अपराध (1930) के बारे में जानकारी दिया।

इरफान के भाई रिजवान को मिली हाईकोर्ट से जमानत

कानपुर, संवाददाता। जाजमऊ आगजनी मामले में कोर्ट में गवाही देने वाले गवाह को जान माल की धमकी देने और उसके बाद रंगदारी मांगने के मामले में आरोपी सपा विधायक इरफान सोलंकी के भाई रिजवान सोलंकी को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। जाजमऊ डिफेंस कॉलोनी में सात नवंबर 2022 को नजीर फातिमा के घर पर आग लग गई थी। इस मामले में इरफान सोलंकी, उनके भाई रिजवान सोलंकी, शौकत अली, मोहम्मद शरीफ व इसराइल आटे वाला के खिलाफ मुकदमे की सुनवाई एमपीएमएलए सेशन कोर्ट में चल रही है। इस मुकदमे में गवाह विष्णु कुमार सैनी ने आरोपियों के खिलाफ गवाही दी थी। इस पर एक दिन जेल से पेशी पर कोर्ट पहुंचे रिजवान और शौकत अली ने गवाह विष्णु कुमार सैनी को रोका और धमकाया था।

हाईकोर्ट से रिजवान को मिली जमानत

उससे रंगदारी मांगी गई थी। शौकत ने अपने गुर्गों को रंगदारी की रकम देने के लिए कहा था। जाजमऊ में बुलाया गया था। विष्णु सैनी रकम पूरी नहीं कर पाया, जिस पर उसे मारपीट कर जान माल की धमकी दी गई थी। इस मामले में विष्णु कुमार सैनी ने मुकदमा दर्ज कराया था। इसी मामले में रिजवान आरोपी है। सेशन कोर्ट से जमानत खारिज होने के बाद रिजवान ने हाईकोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की थी। जिस पर रिजवान को जमानत मिल गई है।

33 साल पहले हुई थी किशोरी की हत्या, विवेचना अब तक अधूरी

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में किशोरी की हत्या के 33 साल पुराने मुकदमे की विवेचना अब तक पूरी नहीं हो सकी। विवेचना चल कहां रही है, इसका भी पता नहीं है। इस पर सीएमएम सूरज मिश्रा ने पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर कहा है कि व्यक्तिगत रुचि लेकर मामले की वर्तमान स्थिति और मुकदमे के अभिलेखों का पता लगाने की कोशिश करें। दोषी पुलिस अफसरों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करें और 24 जून तक न्यायालय को रिपोर्ट भेजें। आदेश की एक प्रति डीजीपी लखनऊ व प्रमुख सचिव गृह को भी कार्रवाई के लिए भेजने के निर्देश दिए, ताकि पीड़ित को न्याय दिया जा सके। कर्नलगंज के बेनाझाबर निवासी संजय अवस्थी की तहरीर पर विपिन मोहन गौतम समेत पांच के खिलाफ वर्ष 1991 में किशोरी के अपहरण और हत्या की रिपोर्ट कर्नलगंज थाने में दर्ज हुई थी। विवेचना के बाद पुलिस ने हत्या व सबूत मिटाने की धाराओं में पांच लोगों के खिलाफ चार्जशीट लगाई, लेकिन कोर्ट नहीं पहुंची।

कुछ समय बाद भंग हो गई थी एसआईएस शाखा

अभियुक्तों की गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी थी। इसके बाद तत्कालीन एसएसपी के आदेश पर विवेचना एसआईएस (स्पेशल इंवेस्टीगेशन सेक्शन) शाखा को स्थानांतरित कर दी गई थी। कुछ समय बाद एसआईएस शाखा भंग हो गई, लेकिन यहां चल रही जांच का क्या हुआ और फाइल किसको सौंपी गई।

इसकी किसी को कोई जानकारी नहीं है। पिछले दिनों संजय अवस्थी ने सीएमएम कोर्ट में अर्जी देकर विवेचना की रिपोर्ट मंगाए जाने की मांग की। कोर्ट ने जब रिपोर्ट मांगी तो विवेचक ने जांच एसआईएस शाखा में स्थानांतरण की बात कहकर पल्ला झाड़ने की कोशिश की। इस पर कोर्ट ने पुलिस कमिश्नर को कार्रवाई के लिए पत्र लिखा है।

कोर्ट की टिप्पणी– पुलिस अफसर कानूनी दायित्व निभाने में विफल

मामले में सीएमएम सूरज मिश्रा ने टिप्पणी की है कि हत्या जैसे गंभीर और मौत की सजा तक से दंडनीय अपराध के मुकदमे में पुलिस और विशेष जांच एजेंसी द्वारा घोर लापरवाही बरती गई। अभिलेख गायब कर दिए गए, जिससे 33 साल बाद भी अब तक दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं हो सकी। पीड़ित न्याय के लिए अदालत और पुलिस अफसरों के चक्कर काट रहा है। इस मुकदमे को देखकर लगता है कि जिले में आपराधिक प्रशासन देखने वाले अफसर अपने कानूनी दायित्वों का निर्वहन करने में पूरी तरह से विफल रहे हैं। यह बेहद शर्मनाक है।

मृतक की जांच लिखने पर ट्रामा सेंटर में हंगामा

बांदा, संवाददाता। मृतक बुजुर्ग की जांच लिखने पर जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में परिजनों ने हंगामा किया। परिजनों का आरोप है कि 80 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो चुकी थी। ड्यूटी पर तैनात संविदा डॉक्टर ने सिटी स्कैन और ब्लड जांच लिख दीं। हंगामा बढ़ने पर डॉक्टर ने परिजनों से पर्चा छीनकर फाड़ दिया। जानकारी मिलने पर मौके पर सीएमओ व प्रभारी सीएमएस भी पहुंच गए। बेटे ने सीएमओ और सीएमएस को लिखित शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। सीएमओ ने टीम गठित कर जांच कराने की बात कही है। बदौसा थाना क्षेत्र के गड़रियन पुरवा अंश दुबरिया गांव निवासी भोला पाल (82) की घर में अचानक तबीयत खराब होने पर परिजन उन्हें लेकर सोमवार को सुबह तकरीबन साढ़े आठ बजे जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचे। यहां ड्यूटी पर तैनात संविदा चिकित्सक डॉ. अभिनव प्राणायामी को दिखाया। मरीज को देखकर उन्होंने पर्चे पर सिटी स्कैन व ब्लड जांच लिख दी। इस पर परिजन डॉक्टर के ऊपर नाराज हो गए। बेटे सुरेश पाल का कहना था उनके पिता की मौत हो चुकी है। डॉक्टर ने फिर भी जांच लिख दी है। हंगामा बढ़ता देख डॉक्टर ने उनसे जांच लिखा पर्चा लेकर फाड़कर फेंक दिया। इस बीच हंगामे की जानकारी मिलने पर सीएमओ डॉ. एके श्रीवास्तव व प्रभारी सीएमएस डॉ. आरके गुप्ता मौके पर पहुंच गए। सुरेश पाल ने सीएमओ व सीएमएस को लिखित शिकायती पत्र दिया है। सीएमओ ने संविदा डॉक्टर अभिनव को ड्यूटी से हटा दिया। सीएमओ ने पूरे प्रकरण की जांच के लिए टीम गठित करने का आश्वासन दिया। तब परिजन शव लेकर चले गए। बुजुर्ग के बेटे ने डॉक्टर के खिलाफ लिखित शिकायत की है। चूंकि संविदा डॉक्टर की नियुक्ति एनएचएम के माध्यम से हुई है, इसलिए शिकायती पत्र सीएमओ को दिया गया है। सीएमओ डॉ. एके श्रीवास्तव ने टीम गठित कर पूरे प्रकरण की जांच के आदेश दिए हैं। परिजन जब मरीज को लेकर आए तब मैंने उनका ब्लड प्रेशर नापा था। ब्लड प्रेशर मशीन बता रही थी। इसलिए परिजनों को जांच लिखी थी। इसके बाद परिजन हंगामा करने लगे।

घर में सो रहे वीडीओ की हत्या, धारदार हथियार से रेता गला

कन्नौज, संवाददाता। कन्नौज जिले में घर के अंदर सो रहे वीडीओ की गला रेतकर हत्या कर दी गई। भाई और बेटा उन्हें लेकर सौ शैया अस्पताल पहुंचे, जहां पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

परिजन कुछ भी बताने से बच रहे हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। छिबरामऊ कोतवाली क्षेत्र के ग्राम करमुल्लापुर निवासी अजय पाल सिंह सौरिख ब्लॉक में वीडीओ (ग्राम विकास अधिकारी) थे। सोमवार की रात करीब 11 बजे वह अपने कमरे में सो रहे थे। उसी दौरान उनकी किसी ने गला रेत कर हत्या कर दी। जानकारी होने पर उनके बड़े बेटे सिद्धार्थ राजपूत ने पड़ोस रहने वाले अपने चाचा को घटना की जानकारी दी और वह लोग उन्हें सौ शैया अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामला संदिग्ध देख अस्पताल प्रशासन ने पुलिस को सूचना दी।

परिजन कुछ भी बताने से बच रहे हैं

इसके बाद शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। मृतक के दो पुत्र सिद्धार्थ अमन एवं एक बेटी निधि राजपूत है। परिजन हत्या के कारणों के बारे में कुछ भी बताने से बच रहे हैं। अस्पताल में मौजूद कोतवाल जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है। शीघ्र ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

पूरा मामला लग रहा संदिग्ध

बड़े बेटे सिद्धार्थ के हाथ मुंह से कटने का निशान है और गर्दन, सीने व पीठ नाखूनों के खरोचने के निशान हैं। कहीं न कहीं पुलिस का शक परिजनों पर जा रहा है। पुलिस हत्या के हर बिंदु पर जांच कर रही है।

भीषण गर्मी में 24 घंटे के भीतर 947 फाल्ट, ट्रांसमिशन से 24 फीडरों की सप्लाई ठप, 17 हजार शिकायतें आईं

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में भीषण गर्मी में बिजली के सप्लाई सिस्टम भी जवाब दे रहे हैं। कहीं ट्रांसफार्मर और जंपर फुंक रहा है तो कहीं भूमिगत केबल, सीटी, एलटी व एचटी सर्किट में खराबी आ जा रही है। रविवार को छोटे और बड़े मिलाकर कुल 947 फॉल्ट हुए। इससे कई घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रही। परेशान लोगों ने केस्को के कंट्रोल रूम में धड़ाधड़ 17 हजार शिकायतें दर्ज कराईं। इससे पहले शनिवार को करीब 23 हजार शिकायतें आईं थी। केस्को की ओर से गर्मी में फॉल्ट रोकने के लिए कई तरह के प्रयास किए गए थे। इसमें टहनियों की छंटाई, ट्रांसफार्मर की सर्विसिंग के साथ ही केबल, रिले, बुश, सीटी, एलटी व एचटी सर्किट समेत कई नए उपकरण बदले गए। ओवरलोड ट्रांसफार्मर के साथ अन्य ट्रांसफार्मर और सुरक्षा उपकरण लगवाए।

फिर भी ट्रिपिंग, फेज की समस्या और फॉल्ट पर अंकुश नहीं लग सका है। तापमान में बढ़ोतरी होने के साथ ही बिजली फॉल्ट बढ़ गए हैं। केस्को के कंट्रोल रूम और एक्स के अकाउंट पर शिकायतों का अंबार लगना शुरू हो गया है। एक हफ्ते में करीब एक लाख तक शिकायतें आ गई हैं। ट्रिपिंग से भी लोग दिनभर परेशान रहे।

लोड अधिक होने से ट्रिपिंग की समस्या

कल्याणपुर के केपी–वन और केपी–टू फीडर की सप्लाई जवाहर नगर फीडर से जोड़ी गई, जबकि गंगा बैराज फीडर को बिठूर फीडर से सप्लाई दी गई। कल्याणपुर के दोनों फीडरों पर लोड अधिक होने से ट्रिपिंग की समस्या शुरू हो गई।

21 गांवों की बिजली गुल हो गई

केशवपुरम क्षेत्र में बिजली की आवाजाही शुरू हो गई। सोमवार तड़के बिठूर में डंपर की टक्कर से दो पोल टूट गए, जिसकी वजह से 21 गांवों की बिजली गुल हो गई। 18 गांवों की आपूर्ति तो सुबह ही ठीक हो गई, जबकि बनी, दयालपुर, तिवारीपुर गांवों की सप्लाई देर शाम सही हो सकी। बिठूर फीडर की सप्लाई बाधित होने का असर नवाबगंज फीडर पर पड़ गया। इस फीडर पर ट्रिपिंग की समस्या हो गई।

ट्रांसमिशन से 24 फीडरों की ठप हो गई सप्लाई

उत्तर प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीटीसीएल) के 220 केवी ट्रांसमिशन सब स्टेशन की 33 केवी ट्रांसमिशन लाइन के करंट ट्रांसफार्मर (सीटी), ब्रेकर, जंपर आदि फुंक गए। इसकी वजह से 24 फीडरों की सप्लाई ठप हो गई। ये फीडर कल्याणपुर, नवाबगंज, रतनपुर, चौबेपुर, गुमटी, सर्वोदयनगर खंड के अंतर्गत आते हैं। कुछ हिस्सा सचेंडी क्षेत्र का भी आता है। यह समस्या 7रू20 बजे हुई थी, जबकि तीन घंटे बाद आंशिक रूप से सही हुई। यूपीपीटीसीएल के विशेषज्ञों ने फीडरों की सप्लाई दूसरे फीडरों से जोड़कर दुरुस्त कराई। यह कार्य सोमवार की शाम तक चलता रहा।

इन सबस्टेशनों पर फॉल्ट से गुल रही बिजली

जाजमऊ खंड के पोखरपुर सबस्टेशन से जुड़े 400 केवीए ट्रांसफार्मर में सोमवार की सुबह 3:40 बजे आग लग गई, जिसकी वजह से ट्रांसफार्मर से जुड़े घरों की बिजली गुल हो गई। यहां दोपहर तीन बजे सप्लाई सुचारू हुई। आलू मंडी खंड के अफीमकोठी सबस्टेशन से जुड़ी एचटी लाइन दोपहर 1:10 बजे ब्रेक हो गई। इसकी वजह से दोपहर तीन बजे तक 11 केवी झकरकटी फीडर पर शटडाउन रहा। कल्याणपुर डिवीजन के केशवपुरम सबस्टेशन के अंतर्गत 400 केवीए ट्रांसफार्मर फुंक गया। यहां सुबह 11:05 से दोपहर 12 बजे तक बत्ती नहीं रही। दहेली सुजानपुर उपकेंद्र के 400 केवीए सब्जी मंडी ट्रांसफार्मर की आपूर्ति ओवरलोड होने की वजह से सुबह छह से 12 बजे तक ठप रही। बर्रा विश्व बैंक, सीसामऊ, शास्त्रीनगर आदि क्षेत्रों में कई घंटे सप्लाई नहीं रही। पिछले कुछ दिनों में फॉल्ट जरूर बढ़े हैं, लेकिन उनको तुरंत दुरुस्त कराकर सप्लाई चालू कराई जा रही है। आरडीएसएस स्कीम और बिजनेस प्लान के अंतर्गत कार्य भी शुरू हो गए हैं। उसके लिए शटडाउन लिया जा रहा है। फॉल्ट या सप्लाई बाधित काफी बड़े हिस्से में नहीं हो रहे हैं। दूसरे फीडरों से सप्लाई दी जा रही है।

सेवानिवृत्त दरोगा की बेटे ने गला घोंटकर की हत्या

कानपुर, संवाददाता। मृतक की बहू प्रेमलता ने पुलिस को बताया कि ससुर के नाम करीब 11 बीघे जमीन थी। पति की मौत के बाद ससुर ने 9 बीघा जमीन उसके दोनों बेटों हर्ष व यश के नाम कर दी थी। इसी बात से जेठ हेमंत कुमार खुन्नस मानने लगे। मूसानगर थाना क्षेत्र के भरतौली में सोमवार शाम जमीन विवाद में सेवानिवृत्त दरोगा पिता की बड़े बेटे ने गला घोंटकर हत्या कर दी। गांव के बाहर गोशाला के पास सड़क किनारे उनका शव पड़ा मिला। मृतक की छोटी बहू ने जेठ पर हत्या किए जाने का आरोप लगा रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने हत्यारोपी बेटे को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। मूसानगर थाना क्षेत्र के भरतौली निवासी सेवानिवृत्त दरोगा खुशीराम (72) छोटी बहू प्रेमलता के साथ मंडी परिषद स्थित मकान में रहते थे। सोमवार दोपहर दो बजे वह किसी काम से गांव गए थे। शाम पांच बजे के करीब गांव की गोशाला के पास सड़क किनारे उनका शव पड़ा मिला। घटना की जानकारी पर एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति, एएसपी राजेश पांडेय व सीओ भोगनीपुर देवेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे।

मृतक की बहू प्रेमलता ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2018 में पति प्रमोद की मौत हो गई थी। इसके बाद से ससुर उसके साथ मंडी परिषद के पास मकान बनाकर रहने लगे। उसके दो बेटियां वैष्णवी, कीर्ती व बेटे यश, हर्ष हैं। ससुर के नाम करीब 11 बीघे जमीन थी। पति की मौत के बाद ससुर ने 9 बीघा जमीन उसके दोनों बेटों हर्ष व यश के नाम कर दी थी। इसी बात से जेठ हेमंत कुमार खुन्नस मानने लगे। इसको लेकर घर में काफी दिनों से परिवार के बीच अनबन चल रही थी। सोमवार सुबह जमीन के हिस्से को लेकर कहासुनी भी हुई थी।

एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति ने बताया कि आरोपी हेमंत कुमार को हिरासत लिया गया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि पिता ने छोटे भाई की विधवा बहू के बेटों के नाम जमीन कर दी। कुछ जमीन बची थी उसे बलकट पर देने गए थे। उसने मना किया तो विवाद हो गया। इसी बात को लेकर उसने गमछे से गला घोंटकर हत्या कर दी।

अब ताज पर नहीं होगी पर्यटकों के साथ धोखाधड़ी, मंडलायुक्त ने दिए निर्देश दुकानों पर लगेंगे बारकोड

आगरा, संवाददाता। आगरा की मंडलायुक्त रितु माहेश्वरी ने मंडलीय राजस्व की समीक्षा की। विधिक माप विज्ञान विभाग को ताजमहल के पास सभी दुकान, शोरूम, एंपोरियम पर बारकोड लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी के अधिकारियों की कर करेत्तर लक्ष्यों और राजस्व वादों के निस्तारण में प्रगति ठीक न होने पर असंतोष जताया। चारों जिलों में वाणिज्य कर से आय में आगरा, स्टांप व रजिस्ट्रेशन से आय में आगरा और मैनपुरी की स्थिति खराब रही। माहवार लक्ष्य के सापेक्ष खराब प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की गई। आबकारी और खनिज में प्रवर्तन में कड़ाई के निर्देश दिए हैं। बैठक में अपर आयुक्त प्रशासन राजेश कुमार, डीएम आगरा भानु चंद्र गोस्वामी, एडीएम वित्त शुभांगी शुक्ला, मथुरा से योगानंद पांडेय, फिरोजाबाद से अभिषेक सिंह, मैनपुरी से रामजी मिश्रा आदि मौजूद रहे।

आरसी से वसूली में फिरोजाबाद फिसड्डी

रिकवरी सर्टिफिकेट (आरसी) यानी भू राजस्व अमीनों के माध्यम से होने वाली विविध देयों की वसूली में फिरोजाबाद फिसड्डी रहा। मथुरा और मैनपुरी में भी प्रगति खराब रही। मंडलायुक्त ने फिरोजाबाद, मैनपुरी, मथुरा के नियमित व सीजनल प्रति अमीन समीक्षा के निर्देश दिए हैं। उन्होंने एक लाख रुपये से कम वसूली वाले अमीनों को नोटिस जारी करने और काम न करने वालों को हटाने के निर्देश दिए हैं।

आगरा में 8160 राजस्व बाद लंबित

सबसे ज्यादा 8160 राजस्व वाद, मैनपुरी 7907, मथुरा 3509 और फिरोजाबाद में 2682 वाद लंबित मिले। मैनपुरी में 5 वर्ष से अधिक समय से लंबित मुकदमों पर पर मंडलायुक्त ने नाराजगी जताई।

पैमाइश के सबसे ज्यादा मुकदमे लंबित

आगरा में भूमि की पैमाइश धारा 24, मैनपुरी में उत्तराधिकार की जांच धारा 33 और मथुरा में बैनामों के बाद नामांतरण धारा 34 के मुकदमों की स्थिति खराब मिली है। चारों जिलों के एडीएम को निर्देश दिए कि 10 से 15 दिनों में अभियान चलाकर 5 साल से अधिक लंबित वादों का निस्तारण कराएं।

जनसुनवाई में मथुरा, फिरोजाबाद लापरवाह

ई डिस्ट्रिक्ट पोर्टल एवं आईजीआरएस संदर्भों की समीक्षा में फिरोजाबाद और मथुरा में सबसे ज्यादा जन शिकायतें लंबित मिली हैं। चारों जिलों के अधिकारियों को शिकायतों को गंभीरता से लेने व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए।

600 रुपये की रिश्वतखोरी में 18 साल बाद सिपाही बरी

मेरठ, संवाददाता। मेरठ में एलआईयू के एक सिपाही जिले सिंह को 600 रुपये की रिश्वतखोरी के मामले में अदालत ने साक्ष्यों के अभाव में 18 साल बाद बरी कर दिया है। यह सिपाही तीन महीने जेल में रहा। इस मुकदमे के चलते उसे निलंबित कर दिया गया और प्रमोशन भी नहीं दिया दिया। अब फैसला आया तो सिपाही दो साल पहले सेवानिवृत्त हो चुका है। अब सिपाही के अधिवक्ता मानसिक प्रताड़ना और सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान की भरपाई के लिए हाईकोर्ट की शरण लेने की बात कह रहे हैं। मामला 20 मार्च 2006 का है। मेरठ के देहलीगेट थाना क्षेत्र के रहने वाले आतिफ नवाज खां ने सतर्कता अधिष्ठान मेरठ के तत्कालीन एसपी से शिकायत की थी कि उनके पासपोर्ट सत्यापन की रिपोर्ट लगाने के एवज में सिपाही जिले सिंह ने 1200 रुपये की मांग की। 400 रुपये उन्होंने दे दिए। सिपाही ने 600 रुपये और मांगे। शिकायत पर एसपी ने टीम गठित की। टीम के मुताबिक सिपाही रिश्वत लेते पकड़ा गया। उससे 600 रुपये भी बरामद किए गए। सतर्कता अधिष्ठान ने सिपाही को जेल भेज दिया। वहीं, विभाग ने उसे निलंबित कर दिया। तीन महीने बाद हाईकोर्ट से जमानत हुई। मामला न्यायालय में चलता रहा। इस दौरान अभियोजन पक्ष ने पांच गवाह पेश किए। सोमवार को अपर जिला जज (विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण) प्रमोद कुमार गंगवार ने फैसला सुनाया। साक्ष्य के अभाव में सिपाही जिले सिंह को बरी कर दिया गया। वहीं, आरोपी के वरिष्ठ अधिवक्ता चौधरी अमरपाल सिंह भट्टल ने बताया कि न्यायालय के समक्ष अभियोजन पक्ष यह सिद्ध नहीं कर पाया कि क्या आरोपी पासपोर्ट में रिपोर्ट लगाने के लिए अधिकृत था।

कर अपवंचकों पर कसा शिकंजा, जमा कराए 2.20 करोड़

सहारनपुर, संवाददाता। राज्यकर विभाग के सचल दल ने अप्रैल माह में विना वैध प्रपत्रों के माल का परिवहन कर रहे वाहनों को पकड़कर कर एवं अर्थदंड के रूप में 2.20 करोड़ रुपये का राजस्व वसूला। इस अवधि में सचल ने 8704 वाहनों की जांच की। प्रवर्तन की कार्रवाई करता है। इसमें विभागीय सचल दल अन्य राज्यों को जोड़ने वाले आवागमन के विभिन्न मार्गों पर वाहनों की चेकिंग करता है। इसके अलावा विभागीय विशेष अनुसंधान शाखा की टीम कर अपवंचन के शक के आधार पर विभिन्न फर्मों पर छापा मारकर सर्वे करती हैं।

संक्षिप्त खबरें

वोटिंग के दौरान पुलिस ने युवक को पीटा, रेफर

बांदा, संवाददाता। मतदान बूथ में वोट डालने के लिए लाइन में लगे युवक मतदाता की पुलिस कर्मी से कहासुनी हो गई। पुलिस कर्मी ने उसे डंडे से पीट दिया। घायल को सीएचसी पहुंचाया गया। वहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। तहसील क्षेत्र के तेराब गांव निवासी धर्मेंद्र कुमार (25) सोमवार दोपहर एक बजे गांव में ही स्थित प्राथमिक विद्यालय में बने मतदान बूथ में वोट डालने के लिए लाइन पर लगे थे, तभी उनकी किसी बात को लेकर वहां खड़े पुलिसकर्मी से कहासुनी हो गई। पुलिसकर्मी ने उन्हें डंडे से पीटकर घायल कर दिया। कुछ देर के लिए बूथ में अफरा–तफरी का माहौल बना रहा।

प्रापर्टी डीलर से मांगी गई 10 लाख की रंगदारी

आगरा, संवाददाता। आगरा के थाना जगदीशपुरा क्षेत्र के गांव लड़ामदा में प्रॉपर्टी डीलर से 10 लाख रुपये महीने की चौथ मांगी गई है। रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी गई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने 5 नामजद और 15–20 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। बिचपुरी क्षेत्र के गांव लड़ामदा निवासी हरेंद्रपाल सिंह ने पुलिस को बताया कि उसकी गांव में ब्रदर्स प्रॉपर्टी लिंकर्स नाम से फर्म है। आरोप लगाया कि पिछले आठ दिन पूर्व पांच से छह लोगों ने उससे 10 लाख रुपये महीने चौथ मांगी थी। रकम नहीं देने पर दो दिन बाद दोबारा से 20–25 लोग ऑफिस में हथियार लेकर आ गए।

उन्हें और सहयोगी संदीप सेंगर को धमकाया। रुपये नहीं देने पर काम नहीं करने देने और जान से मारने की धमकी दी गई। बताया कि इनमें से उन्होंने कुछ लोगों को पहचान लिया। इसके बाद शुक्रवार को फोन आया कि हम राना गैंग से बोल रहे हैं। रुपये नहीं दिए तो जान से मार दिए जाओगे। शनिवार को मामले में पीड़ित ने पांच नामजद एवं 15–20 अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी। थाना जगदीशपुरा के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि रविवार शाम को पीड़ित की तहरीर पर बिचपुरी निवासी अजय, अभिषेक, अलबतिया निवासी बंशी, लोकेश और नगला पातीराम निवासी अनुज कुशवाह के साथ ही 15–20 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपियों को पकड़ने का प्रयास कर रही है।

मेन्यू के अनुसार नहीं मिला खाना, बीएसए ने दिया नोटिस

शामली, संवाददाता। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने जनपद के दो कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खामियां मिलने पर वार्डन को नोटिस जारी किया गया है। सोमवार को बीएसए कुमारी कोमल ने कांधला क्षेत्र के गांव भभीसा स्थित कस्तूरबा विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में उन्हें मेन्यू के अनुसार मिड–डे मील नहीं बना हुआ मिला। उन्होंने बताया कि सूखी सब्जी का दिन था, लेकिन मौके पर दाल और चावल बने मिले। वहीं फुल टाइम एसएसटी की शिक्षिका विद्यालय से गायब मिली। विद्यालय के रिकॉर्ड का रख–रखाव ठीक नहीं मिला। मौके पर 50 छात्राओं में से केवल 38 छात्राएं मिलीं। जिसके चलते वार्डन को कारण बताओ नोटिस जारी किया। वहीं कैराना के कस्तूरबा विद्यालय में साफ सफाई ठीक नहीं मिली। सहायक रसोइया गायब मिली। 98 छात्राओं में से 78 छात्रा मौके पर मिली, जिसमें सबसे ज्यादा छात्रा कक्षा 8 की गायब मिली। जिसके चलते बीएसए ने वार्डन को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए विद्यालय में साफ–सफाई कराने के निर्देश दिए।

ट्रक की टक्कर से साइकिल सवार किशोर की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

सहारनपुर, संवाददाता। सहारनपुर जनपद के नागल गागलहेड़ी मुजफ्फरनगर स्टेट हाईवे पर मंगलवार की सुबह ट्रक की चपेट में आकर साइकिल सवार किशोर की मौत हो गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। थाना क्षेत्र के गांव बोहड़पुर निवासी सेठपाल का बेटा रोहित (14) नागल थाना क्षेत्र के गांव कोटा स्थित एक अस्पताल में सफाई कर्मी का काम करता था। सुबह वह अस्पताल में सफाई कर साइकिल से अपने गांव लौट रहा था। सीडकी पुल से पहले सामने से आ रही एक ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। राहगीरों की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक की शिनाख्त करने के बाद उसके परिजनों को सूचना दी गई। पुलिस क्षेत्राधिकारी देवबंद अशोक सिसोदिया ने बताया कि पुलिस ने हादसे की जिम्मेदार ट्रक को कब्जे में ले लिया है।

मतगणना, परीक्षा के मद्देनजर जिले में धारा 144 लागू

शामली, संवाददाता। लोकसभा चुनाव की मतगणना, विभिन्न परीक्षाओं, आगामी त्योहारों के मद्देनजर डीएम ने जिले में धारा 144 लागू कर दी है। पांच लोग एकत्रित हुए तो कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। आगामी चार जून को लोकसभा चुनाव की मतगणना होनी है। जिसको लेकर मतगणना स्थल के 500 मीटर की परिधि में ध्वनि यंत्रों का प्रयोग निषेध रहेगा।मतगणना स्थल या उसके आस–पास बिना अनुमति के कोई भी व्यक्ति वाहन का आवागमन एवं वाहन खड़ा नहीं करेगा। मतगणना स्थल पर मोबाइल फोन ले जाना वर्जित रहेगा। कोई भी व्यक्ति किसी के विचारों या कार्यों का विरोध करने के लिए प्रदर्शन या धरना नहीं देगा।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।